सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–229 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 07 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" संदरता तो आंखों का भ्रम है
किसी का दिल जीतने के लिए व्यवहार में सुंदरता होनी चाहिए ...!!
अज्ञात...

खैरागढ़ में गुरु बालकदास जयंती पर पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा, समाज को दी 26 लाख की सौगात

आतिशबाजी और फूल–मालाओं से डिप्टी सीएम का स्वागत किया, पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शूरवीर राजा गुरु बालकदास की 221वीं जयंती पर रविवार को सतनामी समाज द्वारा भव्य सतनाम शोभायात्रा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दिलीप सिंह मंगल भवन में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने अध्यक्षता की। समाजजनों ने आतिशबाजी और फूल–मालाओं से डिप्टी सीएम का स्वागत किया, पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

समाज की मांग पर विजय शर्मा ने जिला मुख्यालय खैरागढ़ में सतनामी समाज भवन के लिए 20 लाख और ग्राम मंडला में मॉडल जैतखाम निर्माण के लिए 6 लाख रुपये देने की घोषणा की। पंथी नृत्य से स्वागत करने वाली बालिकाओं को 5100 रुपये प्रोत्साहन राशि दी और वेशभूषा व वाद्ययंत्र के लिए 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता की घोषणा की। समारोह में नपा अध्यक्ष गिरजानंद चंद्राकर, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. बिसेसर साहू, घम्मन साहू, किशुन दास मिर्चे सहित समाज के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सियासी मुद्दों पर भी बोले विजय शर्मा

पत्रकारों से चर्चा में सीमेंट प्लांट के सवाल पर कहा – छुईखदान के दनिया–अतरिया में किसानों के विरोध के बाद जनसुनवाई रद्द हो गई है, फिलहाल कोई कवायद नहीं चल रही। पुलिस भर्ती विरोध पर कहा – इसी प्रक्रिया में 4500 भर्ती हो चुकी है, अभ्यर्थी उचित मंच पर बात रखें। झीरम घाटी में ठक्अ जांच पर कांग्रेस के विरोध पर पलटवार करते हुए कहा – अगर ठक्अ जांच सही नहीं होती तो क्या अदालत फैसला सुनाती, जो कांग्रेस हिडमा को आदर्श बताती है उसे टिप्पणी शोभा नहीं देती, जांच अभी जारी है। बाद में मंगल भवन से शोभायात्रा निकली जो अंबेडकर चौक, नया बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक, गोलबाजार होते हुए वापस मंगल भवन पहुंची। पूरे मार्ग में 'जय सतनाम' के जयघोष गूंजते रहे।

अगस्त में बीएसपी का रिकॉर्ड उत्पादन, कई इकाइयों ने बनाया नया कीर्तिमान

हॉट मेटल, क्रूड स्टील, रेल व प्लेट उत्पादन में पिछले सर्वश्रेष्ठ अगस्त रिकॉर्ड टूटे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने अगस्त 2026 में उत्पादन और प्रेषण के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई नए रिकॉर्ड कायम किए हैं। संयंत्र की विभिन्न प्रमुख उत्पादन इकाइयों ने अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ अगस्त रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नए शिखर हासिल किए। ओएचपी ने अगस्त में 21.97 लाख टन मटेरियल हैंडलिंग की, जो अगस्त 2025 के 19.78 लाख टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। सिंटर प्लांट ने 7.60 लाख टन सिंटर उत्पादन कर अगस्त 2023 के 7.30 लाख टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। सिंटर प्लांट–3 ने 5.19 लाख टन उत्पादन के साथ अगस्त 2021 के 5.05 लाख टन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

ब्लास्ट फर्नेस–8 ने 2,49,027 टन हॉट मेटल का उत्पादन किया, जबकि संयंत्र का कुल हॉट मेटल उत्पादन 5,04,048 टन रहा। यह अगस्त 2010 के 5,00,042 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है। स्टील मेल्टिंग शॉप–3 ने 1,19,105 टन ब्लूम उत्पादन किया। वहीं कुल क्रूड स्टील उत्पादन 4,83,348 टन रहा, जो अगस्त 2023 के 4,62,013 टन के रिकॉर्ड से अधिक है।

रेल प्रेषण में भी बीएसपी ने नया मुकाम हासिल किया। यूआरएम से लॉन्ग रेल की लोडिंग 95,808 टन रही, जबकि कुल लॉन्ग रेल लोडिंग 1,12,713 टन तक पहुंची। इंडियन रेलवे के लिए आरवीएनएल, मेट्रो और आईआरकॉन सहित कुल रेल लोडिंग 1,24,045 टन रही। अगस्त में इंडियन रेलवे को 119 पैनल रेक भेजे गए, जो जून 2026 के 111 रेक के पिछले रिकॉर्ड से अधिक हैं। प्लेट उत्पादन में भी अगस्त में नए रिकॉर्ड बने। फिनिश्ड प्लेट उत्पादन 1,25,214 टन और एचटी प्लेट उत्पादन 39,996 टन रहा। दोनों आंकड़े संबंधित पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक हैं।

रेल उत्पादन में भी नए रिकॉर्ड

यूआरएम ने अगस्त में 93,386 टन फिनिश्ड रेल, 90,224 टन प्राइम रेल और 87,376 टन लॉन्ग रेल का उत्पादन किया। इन तीनों में अगस्त 2025 के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड पीछे छूट गए। कुल फिनिश्ड रेल उत्पादन 1,38,241 टन रहा। वहीं कुल प्राइम रेल उत्पादन 1,27,859 टन रहा, जिसने दिसंबर 2019 के 1,27,014 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

फर्म्स एवं संस्थाएं विभाग की बड़ी साजिश का पर्दाफाश

10 अगस्त का पत्र 24 अगस्त को पोस्ट, उट हेल्पलाइन की शिकायत के बाद जागा महकमा

नरेन्द्र डाकलिया / रायपुर/राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अधीन सबसे महत्वपूर्ण कार्यालय पंजीयक, फर्म्स एवं संस्थाएं, नया रायपुर में किस तरह खेल किया जाता है, इसका जीता-जागता उदाहरण सामने आया है। दस्तावेजों के अनुसार विभाग ने दिग्विजय क्लब, राजनांदगांव के अध्यक्ष/सचिव को पत्र क्रमांक 10 अगस्त 2026 को जारी किया। पत्र में जवाब के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था। नियमानुसार पत्र उसी दिन या अगले दिन स्पीड पोस्ट होना चाहिए था, लेकिन उसे डाक में डाला ही नहीं गया।

नियमानुसार पत्र उसी दिन या अगले दिन स्पीड पोस्ट होना चाहिए था, लेकिन उसे डाक में डाला ही नहीं गया

इंडिया पोस्ट ट्रैकिंग ने खोली पोल

मामले की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (क्रमांक WP260800161903, दिनांक 23-08-2026) में शिकायतकर्ता नरेन्द्र कुमार जैन ने की। उन्होंने पूछा था कि पत्र स्पीड पोस्ट या बाय हैंड भेजा गया तो उसकी रसीद उपलब्ध कराई जाए।

शिकायत Open होते ही विभाग में हड़कंप मचा। इंडिया पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट (Consignment No. EC458199422IN) साफ बताती है -

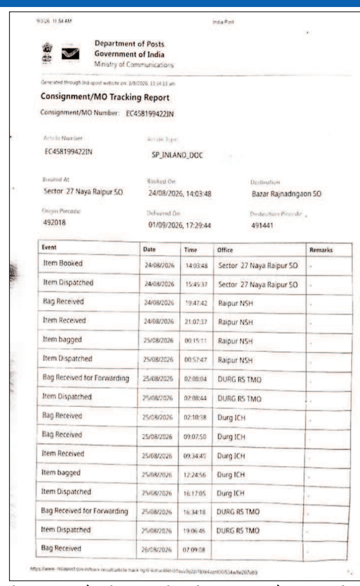

9/3/26 11:54 AM India Post

Department of Posts
Government of India
Ministry of Communications

Generated through Indiapost website on: 3/9/2026 11:54:13 am

Consignment/MO Tracking Report

Consignment/MO Number: EC458199422IN

Article Number: EC458199422IN
Article Type: SP_INLAND_DOC
Booked At: Sector 27 Naya Raipur SO
Booked On: 24/08/2026, 14:03:48
Destination: Bazar Rajnadngaon SO
Origin Pincode: 492018
Delivered On: 01/09/2026, 17:29:44
Destination Pincode: 491441

Event	Date	Time	Office	Remarks
Item Booked	24/08/2026	14:03:48	Sector 27 Naya Raipur SO	-
Item Dispatched	24/08/2026	15:45:37	Sector 27 Naya Raipur SO	-
Bag Received	24/08/2026	19:47:42	Raipur NSH	-
Item Received	24/08/2026	21:07:37	Raipur NSH	-
Item bagged	25/08/2026	00:15:11	Raipur NSH	-
Item Dispatched	25/08/2026	00:57:47	Raipur NSH	-
Bag Received for Forwarding	25/08/2026	02:08:04	DURG RS TMO	-
Item Dispatched	25/08/2026	02:08:44	DURG RS TMO	-
Bag Received	25/08/2026	02:10:38	Durg ICH	-
Bag Received	25/08/2026	09:07:50	Durg ICH	-
Item Received	25/08/2026	09:34:4?	Durg ICH	-
Item bagged	25/08/2026	12:24:56	Durg ICH	-
Item Dispatched	25/08/2026	16:17:05	Durg ICH	-
Bag Received for Forwarding	25/08/2026	16:34:18	DURG RS TMO	-
Item Dispatched	25/08/2026	19:06:46	DURG RS TMO	-
Bag Received	26/08/2026	07:09:08		

गंभीर सवाल

क्या शासकीय कार्यालय में पत्र को 14 दिन रोकना सामान्य प्रक्रिया है? एक सप्ताह का समय देकर 14 दिन बाद पत्र भेजने के पीछे मंशा क्या थी? बिना डाक रसीद के ही क्या मान लिया जाता है कि पत्र भेज दिया गया? पंजीयक, फर्म्स एवं संस्थाएं से मांग की गई है कि पूरे घटनाक्रम की जांच कर संबंधित सहायक पंजीयक/लिपिक पर अनुशासनात्मक कारर्वाई हो और डिस्पैच रजिस्टर व स्पीड पोस्ट रसीदों का मिलान सार्वजनिक किया जाए।

यानी 10 अगस्त को लिखा पत्र 14 दिन तक अलमारी में दबाकर रखा गया और 24 अगस्त को पोस्ट किया गया। जब तक पत्र राजनांदगांव पहुंचा, जवाब की एक सप्ताह की मियाद खत्म हो चुकी थी। शिकायत का स्टेटस 23 अगस्त को डस्त्रील्ल, फिर क्ल ढ१ङ्गॅ१२ और 3, 4, 5 सितंबर को लगातार त्रीौं ढील्ल्लिं में रहा। आरोप है कि उट हेल्पलाइन के दबाव के बाद ही मजबूरी में पत्र पोस्ट किया गया, वरना फाइल में "समय पर जवाब नहीं आया" लिखकर एकतरफा कारर्वाई कर दी जाती।

बिहार में शराब तस्करी का 'ग्लैमरस अंदाज'

AC क्लास से 75 लीटर विदेशी शराब बरामद, युवती समेत 2 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / समस्तीपुर

शराबबंदी वाले बिहार में तस्करों के हौसले और उनके नए–नए तरीके पुलिस के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। ताजा मामला समस्तीपुर जंक्शन का है, जहां शराब तस्करी का ऐसा ग्लैमरस अंदाज सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। फ्ढत्र् त्रफ्ढ और उक्द्द की संयुक्त टीम ने अउ फर्स्ट क्लास कोच से 75 लीटर विदेशी शराब बरामद की है।

घटना शुक्रवार को नई दिल्ली से जयनगर जा रही 12562 स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की है। ट्रेन जैसे ही समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर–5 पर पहुंची, गुप्त सूचना पर टीम ने ल्ह–1 बोगी की बर्थ नंबर–07 पर छापा मारा।

कोच में मॉडर्न लुक में एक युवती दो महंगे लग्जरी सूटकेस के साथ सफर कर रही थी। ठाट–बाट देखकर कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता था कि सूटकेस में कपड़ों की जगह ब्रांडेड शराब भरी है। शक होने पर जब सूटकेस खोला गया तो अंदर खचाखच विदेशी शराब की बोतलें मिलीं। गिनती में कुल 75 लीटर शराब निकली।

पकड़ी गई युवती की पहचान *नेहा कुमारी (25), निवासी बारी, वार्ड–12, थाना सिंघिया, जिला समस्तीपुर और उसके साथी ईशान कुमार (31), निवासी करनाल, हरियाणा के रूप में हुई है।

जीआरपी थानाध्यक्ष बीरबल कुमार ने बताया कि दोनों से पूछताछ की जा रही है कि यह हाई–प्रोफाइल खेप कहां से लाई गई और बिहार में किसे सप्लाई करनी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती दिल्ली से शराब लेकर दरभंगा जा रही थी, जहां डॉक्टरों और रसूखदार लोगों के नेटवर्क में इसे खपाने की योजना थी। इस कारर्वाई का वीडियो–फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। प्लेटफॉर्म पर भी भीड़ जुट गई और लोगों ने वीडियो बना लिया।

रेल पुलिस ने मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब इस रैकेट के सरगना और दिल्ली–बिहार के बीच प्रीमियम कोचों में चल रहे तस्करी नेटवर्क को खंगाल रही है।

दिल्ली इमारत हादसे में दुर्ग निवासी छात्र युवराज सोनी की मौत, आखिरी कॉल पर दोस्त से हो रही थी बात

तीन दिन पहले ही वह छुट्टियों के बाद अपने घर दुर्ग से वापस दिल्ली लौटा था

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को हुए दर्दनाक इमारत हादसे में छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी 20 वर्षीय छात्र युवराज सोनी की मौत हो गई। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष का छात्र था और सत्य निकेतन स्थित बॉयज पीजी में रहता था। महज तीन दिन पहले ही वह छुट्टियों के बाद अपने घर दुर्ग से वापस दिल्ली लौटा था।

हादसे के वक्त युवराज अपने बचपन के दोस्त आर्यन से फोन पर बात कर रहा था। आर्यन ने बताया कि दोनों के बीच घूमने जाने का प्लान बन रहा था कि अचानक फोन पर एक तेज और भयावह गडग़ड़ाहट

सुनाई दी। आर्यन ने घबराकर बार–बार 'हेलो... हेलो... तू ठीक है? पूछा, लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं आया और करीब एक मिनट बाद कॉल कट गई।आर्यन लगातार अपने दोस्त के वापस फोन करने का इंतजार करता रहा।

कुछ समय बाद जब उसे सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर मिली, तो उसके होश उड़ गए। वह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा, जहां राहत और बचाव कार्य जारी था। घंटों की तलाश और भटकने के बाद आर्यन को एम्स ट्रामा सेंटर से सूचना मिली कि जिससे वह कुछ समय पहले बात कर रहा था, उस दोस्त की हादसे में मौत हो चुकी है। आर्यन के लिए यह खबर किसी बड़े सदमे से कम नहीं थी। उसने भावुक होते हुए बताया कि फोन पर आई वह अचानक खामोशी और गडग़ड़ाहट की आवाज उसके जेहन में बार–बार गूंज रही है।दुर्ग का रहने वाला युवराज और आर्यन बचपन के दोस्त थे और एक ही गांव से ताल्लुक रखते थे।

झीरम पर NIA कोर्ट का फैसला आधा–अधूरा न्याय : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर ।झीरम हत्याकांड पर एनआईए कोर्ट के फैसले को जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने आधा-अधूरा न्याय बताया है। उन्होंने कहा कि फैसले से साजिश का पर्दाफाश नहीं हुआ और राजनीतिक षड्यंत्र के पहलू की जांच ही नहीं की गई। चंद्राकर ने कहा कि अदालत ने वही फैसला दिया जो तथ्य एनआईए ने रखे, लेकिन एनआईए की जांच शुरू से दिशाहीन रही। जिन 10 लोगों को दोषी ठहराया गया वे छोटे नक्सली हैं, जबकि इतनी बड़ी घटना बड़े नक्सली नेताओं के बिना संभव नहीं। शुरुआत में FIR में गणपति और रमन्ना सहित 26 फरार आरोपियों के खिलाफ वारंट था, बाद में चाजर्शीट से नाम हटा दिए गए। उन्होंने सवाल उठाए - परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा क्यों हटाई गई? मार्ग किसने और क्यों बदलवाया? हमले की योजना किसने बनाई? समर्पण करने वाले बड़े नक्सलियों से पूछताछ क्यों नहीं हुई? घायल प्रत्यक्षदर्शियों के शपथ पत्र के बावजूद उनके बयान शामिल क्यों नहीं किए गए? एनआईए ने एसआईटी

भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में शिक्षकों का अभिनंदन, वार्षिक पत्रिका 'प्रिज्म' का विमोचन

प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है और उसमें अनेक प्रतिभाएं छिपी रहती हैं- पवन कुमार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय की प्रथम वार्षिक पत्रिका ह्यप्रिज्मह्ण का भी विमोचन किया गया। पालक शिक्षक समिति एवं विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुए समारोह में शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसपी के कायर्पालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार थे। विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) ए.बी. श्रीनिवास तथा महाप्रबंधक (शिक्षा विभाग) शिखा दुबे उपस्थित रहीं। अतिथियों ने मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया।

पालक शिक्षक समिति की अध्यक्ष भुनेश्वरी देवांगन ने स्वागत भाषण में शिक्षक की भूमिका और समाज निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि पवन कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है और उसमें अनेक प्रतिभाएं छिपी रहती हैं। विद्यालय का दायित्व है कि इन प्रतिभाओं को पहचानकर विद्यार्थियों को उचित दिशा और अवसर प्रदान करे। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने जीवन में शिक्षकों के योगदान को भी स्मरण किया।

विशिष्ट अतिथि ए.बी. श्रीनिवास ने मंच संचालन कर रहीं छात्राओं आर्या पांडे एवं अनन्या द्वारा शिक्षकों के सम्मान में प्रस्तुत पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती है। उन्होंने समारोह के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य विजय सिंह पवार एवं विद्यालय के शिक्षकों को बधाई दी।

समारोह में विद्यालय की प्रथम वार्षिक पत्रिका ह्यप्रिज्मह्ण का विमोचन किया गया। प्राचार्य विजय सिंह पवार ने कहा कि जिस प्रकार प्रिज्म श्वेत प्रकाश को विभिन्न रंगों में विभाजित करता है, उसी प्रकार विद्यालय विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारने और सही दिशा देने का कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को डिस्कवर, डेवलप एवं शाइन की प्रिज्म फिलॉसफी अपनाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। सुहानी पाढ़ी एवं समूह ने सरस्वती वंदना, जबकि राजेश्वरी, संतोषी एवं समूह ने गुरु वंदना और भिलाई गान प्रस्तुत किया। दो लघु नाटिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने संदेश दिया। समूह नृत्य और विद्यालय की शिक्षिका सजिता राजेश द्वारा प्रस्तुत भजन ने भी दशर्कों की खूब वाहवाही बटोरी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को श्रीफल एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। निदेशक प्रभारी पुरस्कार के लिए चयनित विद्यालय की चार शिक्षिकाओं सरिता कुमारी शाक्या, सुनीता अनिल, सजिता राजेश एवं संगीता मिश्रा को भी बधाई दी गई।

वरिष्ठ व्याख्याता सरिता शाक्या ने अतिथियों एवं दशर्कों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वंदना सोनवाने एवं संगीता मिश्रा ने किया। समारोह की सफलता में विद्यालय के शिक्षकों एवं पालक शिक्षक समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

खास खबर

हथखोज में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण, सांसद विजय बघेल ने किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

हथखोज में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का स्थापना एवं अनावरण समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। नव जागृति दुगीत्सव समिति, श्री राम सेवा समिति, हमर हरियर भुइंया समिति और अजय नव जागृति शीतला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल ने प्रतिमा का अनावरण कर पूजा-अचर्ना की। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा। सभा को संबोधित करते हुए सांसद बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी संस्कृति, परंपरा, पहचान और अस्मिता का प्रतीक हैं। प्रतिमा की स्थापना माटी और संस्कृति के प्रति गौरव को मजबूत करेगी और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जुड़ने की प्रेरणा देगी।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, पार्षद राकेश बंछोर, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष सुकालू मढ़रिया, पुनीत साहू, पंचू यादव सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रों ने संभाली विद्यालय की कमान, शिक्षक बने विद्यार्थी : पीएम श्री केवी दुर्ग में अनोखे अंदाज में मना शिक्षक दिवस

दुर्ग। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में शिक्षक दिवस इस बार अनूठे अंदाज में मनाया गया। एक दिन के लिए छात्रों ने विद्यालय की कमान संभाली और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य पुष्पा बड़ा और शिक्षकों तोशन लाल साहू, आशुतोष सिंह, डीके यादव, श्रावणी, उषा शर्मा, डॉ. अजय आर्य द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

विद्यार्थियों ने प्राथर्ना सभा, अनुशासन और व्यवस्थाओं का संचालन किया, तो शिक्षकों ने विद्यार्थी बनकर प्रस्तुतियां दीं। इस अदला-बदली ने पूरे वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया।

समारोह में महिला शिक्षकों के लिए फैशन वॉक आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें उषा एवं बिंदु, शिल्पा ओझा और गुरलीन कौर ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष शिक्षकों के लिए गुब्बारा और ग्लास गतिविधि में पुरुषोत्तम, जीपी पांडे और विशाल देवांगन विजेता रहे। कार्यक्रम का संचालन सान्वी ओझा, आर्यन त्रिवेदी, अनन्या दुबे, अयान खान और दीक्षा ठाकुर ने किया। रितिमा महला, मोहित सिंह, अनुष्का सिंह, श्रेया पांडे सहित कई छात्रों ने आयोजन को सफल बनाया। प्राचार्य ने कहा कि जब छात्रों को जिम्मेदारी दी जाती है तो वे अपनी प्रतिभा से विद्यालय को गौरवान्वित करते हैं।

टीम केशरी की मटकी फोड़ में दुर्ग की टीम ने मारी बाजी, सांसद विजय बघेल ने दिया पुरस्कार

सांसद ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में साहस, टीम भावना और भाईचारा मजबूत करते हैं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सिविक सेंटर में टीम केशरी द्वारा छठे वर्ष विशाल मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। डीजे की धुन पर थिरकते युवाओं के जोश से पूरा परिसर कृष्णमय हो गया।

मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल रहे। विशेष अतिथि के रूप में निगम सभापति गीरवर बंटी साहू, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीष पांडेय, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सौरभ जायसवाल, पूर्व महामंत्री भोला साहू उपस्थित रहे।

रोमांचक मुकाबले में दुर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर मटकी फोड़ी और 55,555 का पुरस्कार जीता। सांसद बघेल ने विजेता टीम को राशि प्रदान कर सम्मानित किया। सांसद ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में साहस, टीम भावना और भाईचारा मजबूत करते हैं। आयोजन समिति को लगातार छठे वर्ष सफल आयोजन के लिए बधाई दी। आयोजक रोहन सिंह, ध्रुव पाण्डेय और राहुल गजभिए ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में सैकड़ों युवा और दर्शक मौजूद रहे।टीम केशरी की मटकी फोड़ में दुर्ग की टीम ने मारी बाजी, सांसद विजय बघेल ने दिया 55,555 का पुरस्कार दिया।

केस लोचन के माध्यम से आत्मसंयम और साधना का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

दुर्ग।* जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में चल रहे चातुर्मास के दौरान धर्मसभा में आध्यात्मिक वातावरण के बीच नेपाल केसरी, मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्र संत श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज का केस लोचन विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। चतुर्विध संघ की उपस्थिति और साध्वी लक्ष्मी जी महाराज की मौजूदगी ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

राष्ट्र संत श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज का केस लोचन पुनीत मुनि जी महाराज और सुद्धेश मुनि जी महाराज द्वारा संपन्न किया गया। इस दौरान साधु-साध्वियों और श्रावक-श्राविकाओं ने धर्म आराधना करते हुए संतों की तप, त्याग और संयम साधना के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

एक दिन पूर्व पुनीत मुनि जी महाराज का केस लोचन राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि जी महाराज द्वारा किया गया था। गुरु-शिष्य परंपरा की इस आध्यात्मिक परंपरा ने श्रद्धालुओं को संयम और आत्मशुद्धि का संदेश दिया। धर्मसभा में संतों ने कहा कि केस लोचन केवल केश त्याग नहीं, बल्कि मोह, अहंकार और सांसारिक आसक्तियों के त्याग का प्रतीक है। साधु जीवन का प्रत्येक संस्कार आत्मकल्याण की दिशा में एक कदम है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और धमर्लाभ प्राप्त किया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल सेक्टर-6 में हर्षोल्लास से मना शिक्षक दिवस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल सेक्टर-6 में शिक्षक दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता कन्हैया सोनी अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक द्विवेदी, शाला विकास समिति अध्यक्ष रजनीकांत पांडे, प्राचार्य, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। अतिथियों ने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देता, बल्कि विद्यार्थी के जीवन का मार्गदर्शक और भविष्य निर्माता होता है। शिक्षक ज्ञान के साथ अनुशासन, संस्कार और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। विद्यार्थियों ने भी गुरुजनों के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते की भावना देखने को मिली।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों के लिए शिविर : 97 का पंजीयन, 122 उपकरणों के लिए चिन्हांकन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के सहयोग से एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी (अकउ) और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (एक्छ) के उरफ तथा एलिम्को रायपुर द्वारा दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु मूल्यांकन शिविर का आयोजन भक्त माता कर्मा सांस्कृतिक भवन, लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के पास सुपेला भिलाई में किया गया। शिविर में कुल 97 दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों का पंजीयन हुआ, जिनमें 14 मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल, 5 ट्रायसाइकिल, 26 बैसाखी, 6 व्हील चेयर सहित वरिष्ठजनों के लिए श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि कुल 122 सामग्रियों के लिए चिन्हांकन किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शिविर का निरीक्षण कर दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों से चर्चा की और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान उपसंचालक पी. गौतम, एलिम्को की मेडिकल टीम और निगम के कमर्चारी उपस्थित रहे। अगला शिविर 7 सितंबर को मंगल भवन, नगर निगम भिलाई चरोदा के पीछे आयोजित होगा, जिसमें भिलाई चरोदा, कुम्हारी, जामुल, अहिवारा, धमधा नगर पालिका और जनपद धमधा के ग्राम शामिल होंगे।

बीएसपी ने सुरक्षा पहलों पर ई-पत्रिका का किया शुभारंभ

सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं, जीवन-मूल्य के रूप में अपनाने का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की अगस्त 2026 की सुरक्षा पहलों को प्रदर्शित करने वाली ई-पत्रिका का शुभारंभ कायर्पालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने 5 सितंबर को ईडी (वर्क्स) सम्मेलन कक्ष में किया। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग (एसईडी) द्वारा प्रकाशित ई-पत्रिका की थीम ह्लसुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि वह मूल्य है जिसे हम अपने जीवन में अपनाते हैंह्व रखी गई है। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) पुष्पा एम्ब्रोस सहित सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के सदस्य उपस्थित रहे।

ई-पत्रिका के विमोचन अवसर पर राकेश कुमार ने कहा कि सुरक्षा को केवल नियमित दायित्व के तौर पर नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक नेक पेशे के रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा पेशेवरों से सक्रिय और सजग रहते हुए बिना भय या पक्षपात के अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं और अवलोकनों को समय पर सुधारात्मक कारवाई सुनिश्चित करने के लिए सीधे संबंधित विभागाध्यक्षों के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

ई-पत्रिका में निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र एवं कायर्पालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार के नेतृत्व में बीएसपी सामूहिक द्वारा की जा रही विभिन्न सुरक्षा पहलों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षा प्रथाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी गई है।

पत्रिका में लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन (एलजीआई) को विशेष स्थान दिया गया है। इन संवादात्मक सत्रों का आयोजन कायर्पालक निदेशक (वर्क्स), मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) और एसईडी टीम द्वारा किया जा रहा है। इनमें लाइन ऑफ फायर की समझ, खतरों की पहचान, जोखिम का आकलन तथा कार्य शुरू करने से पहले और कार्य के दौरान 360 डिग्री अवलोकन जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा विषयों पर चर्चा की जाती है। ई-पत्रिका में बीएसपी की एआई आधारित सुरक्षा पहल, सड़क सुरक्षा अभियान और जीरो टॉलरेंस नियमों के क्रियान्वयन को भी शामिल किया गया है। ये पहल तकनीक, जागरूकता और सक्रिय हस्तक्षेप के माध्यम से संयंत्र में मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

दशहरा मैदान में भाजपा का बृहद तीज महोत्सव : संस्कृति, संस्कार और सशक्तिकरण का संगम

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

भारतीय जनता पार्टी मरोदा-पुरैना एवं रिसाली मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा मैदान रिसाली में बृहद तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान, राज्यगीत अरपा पैरी के धार और भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

पूरा पंडाल हरियाली तीज के श्रृंगार, मेंहदी, झूला और लोकगीतों से सजा रहा। सुआ, करमा, रैंप वॉक, फुगड़ी और पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुरमी, चीला, अनरसा प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कि तीज पति-पत्नी के अटूट प्रेम और नारी के त्याग की गाथा है। मोदी और विष्णुदेव सरकार ने नारी शक्ति वंदन, उज्ज्वला, महतारी वंदन, लखपति दीदी योजनाओं से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मातृशक्ति के उत्साह ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को जीवंत कर दिया। यह महोत्सव आने वाली पीढ़ी को जड़ों से जोड़ने का अभियान है। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. विभा अवस्थी ने कहा कि भाजपा में महिला को देवी के रूप में पूजा और कार्यकर्ता के रूप में सम्मान मिलता है। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जनसैलाब भाजपा की मजबूती और मातृशक्ति की ताकत का प्रमाण है। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की प्रांतीय बैठक संपन्न, एकजुटता और पारदर्शी ऑडिट पर हुई चर्चा

समाज के कार्यों को गति देने के लिए स्वैच्छिक सहयोग राशि लेने का निर्णय सर्वसम्मति से पारित हुआ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

स्मृति नगर स्थित प्रदेश अध्यक्ष राकेश भट्ट के निवास पर आज छत्तीसगढ़ ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की महत्वपूर्ण प्रांतीय बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राकेश भट्ट ने की। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। वरिष्ठ सेवी का सम्मान - दुर्ग जिला अध्यक्ष मन्नू शर्मा जो 31 अगस्त को इस्पात से सेवानिवृत्त हुए हैं, उनका श्रीफल, शॉल और पुष्पहार से आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान ब्रह्मसत्य पत्रिका के संपादक अक्षय रॉय ने वीडियो कॉल से जुड़कर उन्हें बधाई दी और सभी समाजजनों को सक्रियता से जुड़े रहने की शुभकामनाएं दी। **संगठन विस्तार** - प्रदेश के सभी जिलों में निवासरत स्वजातीय बंधुओं को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया गया। समाज के कार्यों को गति देने के लिए स्वैच्छिक सहयोग राशि लेने का निर्णय सर्वसम्मति से पारित हुआ। **पारदर्शी लेखा-जोखा** - समाज की वित्तीय पारदर्शिता के लिए आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा तैयार कर विधिवत ऑडिट कराने पर गहन चर्चा हुई। बैठक के अंत में समाज के सक्रिय कार्यकर्ता व्यासनारायण शर्मा (महासमुंद) एवं अयोध्या प्रसाद शर्मा (परसदा, दुर्ग) के 3 सितंबर को हुए आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में श्रीमती आभा भट्ट, डॉ. विष्णु शर्मा, संजय शर्मा (ननि भिलाई), संजय शर्मा (रिसाली), संजय ब्रह्मभट्ट (दुर्ग), अशोक शर्मा, एस.एन. शर्मा, ए.आर. शर्मा सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

हाईटेक अस्पताल में 32 लाख के गबन का पर्दाफाश, 6 साल से कैशियर कर रहा था हेराफेरी, फर्जी मेल से देता था जमा का झांसा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

निजी अस्पतालों में वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। सुपेला थाना क्षेत्र के चर्चित हाईटेक अस्पताल में कैशियर ने ही करीब 32 लाख रुपये का गबन कर दिया। आरोपी पिछले 6 साल से अस्पताल में कैशियर के पद पर था और भरोसे का फायदा उठाकर नकद राशि बैंक में जमा करने के बजाय हड़प जाता था। अधिकारियों को शक न हो, इसके लिए वह फर्जी ई-मेल भेजकर बैंक में राशि जमा होने की झूठी जानकारी देता था।

।मामले का खुलासा होने पर अस्पताल संचालक मनोज अग्रवाल ने चौकी स्मृति नगर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने दस्तावेज, कैश बुक और बैंक स्टेटमेंट का मिलान किया तो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता सामने आई।

ऐसे करता था गबन

आरोपी जसविंदर सिंह (46) निवासी 122/डी रुआबांधा सेक्टर, भिलाई, थाना भिलाई नगर, पिछले 6 साल से हाईटेक अस्पताल में कैशियर था। अस्पताल की रोज की नकद कलेक्शन को बैंक में जमा करना उसकी जिम्मेदारी थी। वह राशि को अपने पास रख लेता और बाद में संचालक को ई-मेल पर फर्जी जमा पर्ची और फर्जी जानकारी भेज देता। इस तरह उसने धीरे-धीरे करीब 32 लाख रुपये का गबन कर दिया। जांच में प्रथम दृष्टया गबन सिद्ध होने पर चौकी स्मृति नगर में अपराध क्रमांक 1301/2026 धारा 316(4) इस्ट (आपराधिक न्यासभंग) के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना में आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने गबन की बात कबूल की। आरोपी ने गबन की राशि से 1 लाख 50 हजार रुपये कीमत का सैमसंग का महंगा मोबाइल फोन खरीदना बताया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने राशि कहां-कहां खर्च की, इसकी विस्तृत जांच जारी है। अन्य खातों और संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने सभी व्यवसायिक संस्थानों, अस्पतालों और फर्मों से अपील की है कि वे अपने कैश काउंटर और बैंक जमा का नियमित ऑडिट कराएं, केवल एक व्यक्ति पर पूरी वित्तीय जिम्मेदारी न छोड़ें और ई-मेल पर आई जानकारी का बैंक से सत्यापन जरूर करें।

सेवानिवृत्त मनु शर्मा का होगा सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ भट्ट ब्राह्मण समाज के लिए आज का दिन यादगार रहने वाला है। भिलाई में श्री राकेश भट्ट के निवास पर समाज की प्रांतीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में समाज हितों पर चर्चा के साथ ही समाज के समर्पित सेवी श्री मनु शर्मा के सम्मान का कार्यक्रम भी रखा गया है। श्री मनु शर्मा भिलाई स्टील प्लांट में लगभग 40 वर्षों की सेवा के बाद 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त हुए हैं। श्री शर्मा भट्ट ब्राह्मण समाज भिलाई के जिला अध्यक्ष और प्रांतीय महामंत्री के दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। वे समाज की स्थापना काल से ही नींव के पत्थर रहे हैं। भिलाई में वे ब्रह्मसत्य पत्रिका का प्रति माह घर-घर जाकर वितरण करते हैं और वाट्सएप समूह के माध्यम से समाज जागरण का कार्य निरंतर करते रहते हैं। इस अवसर पर ब्रह्मसत्य पत्रिका परिवार की ओर से संपादक अक्षय कुमार राय ने उनके सुखद एवं प्रसन्नचित्त जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

बहतराई स्टेडियम में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बहनों संग साझा की पर्व की खुशियां

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बहनों संग साझा की पर्व की खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बहतराई स्टेडियम में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास बहतराई स्टेडियम में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास तीजा तिहार के उल्लास के बीच आज बिलासपुर का बहतराई स्टेडियम छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं के रंग में सराबोर नजर आया। पारंपरिक वेशभूषा में बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं-बहनों के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीजा तिहार की खुशियां साझा कीं और उन्हें पर्व की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की सभी बहनों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना की।

बहतराई स्टेडियम में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तीजा हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति का पावन पर्व है, जिसमें हमारी माताओं-बहनों का प्रेम, आस्था और परिवार की खुशहाली की कामना समाहित है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं में तीजा का विशेष स्थान है। इस पर्व पर विवाहित बेटियों के मायके आने और परिवार के साथ पर्व मनाने की हमारी परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। हमारी माताएं और बहनें भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ परिवार और समाज के आत्मीय रिश्तों को भी मजबूत बनाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय आज बहतराई स्टेडियम में आयोजित भव्य तीजा मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्रीमती भावना बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सम्मान का सर्वोच्च स्थान मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं की गरिमा और सुविधा सुनिश्चित हुई है। राशन कार्ड महिलाओं के नाम पर बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक योजना की 31 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। यह आर्थिक सहायता बहनों को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बनाने के साथ परिवार में उनकी भूमिका को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं केवल शासकीय योजनाओं की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा की सक्रिय भागीदार बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। राज्य में 13 लाख 85 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर हमारी बहनें विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ हमारी बहनें आधुनिक तकनीक को अपनाकर भी आगे बढ़ रही हैं। ड्रोन दीदियां आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए स्वरोजगार से जुड़कर प्रतिदिन 6 से 7 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। कहीं महिलाएं सेंटरिंग प्लेट के व्यवसाय से जुड़ी हैं तो कहीं ई-रिक्शा चलाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। बस्तर से लेकर बिलासपुर तक हमारी माताएं-बहनें अपनी मेहनत, कौशल और आत्मविश्वास से सफलता की नई कहानियां लिख रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को उद्यमिता और उद्योगों से जोड़ने के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दे रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की हर बहन को अपनी क्षमता और हुनर के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले और वह आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार तथा प्रदेश की समृद्धि में सहभागी बने।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, वन संपदा और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध प्रदेश है तथा यहां विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार का प्रयास है कि इन संभावनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और विकास की सुविधाएं गांव तथा लोगों के घर के नजदीक उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का हमारा संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने में प्रदेश की मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जब हमारी बहनें शिक्षित, सुरक्षित, स्वस्थ, आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर होंगी, तभी परिवार मजबूत होंगे और प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

जेएसएस निदेशक ने सांसद विजय बघेल से की मुलाकात, योजना विस्तार की मांग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अतुल सिंह ने दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की जन शिक्षण संस्थान (खरद) योजना की विस्तृत जानकारी दी और इसे 30 सितंबर 2026 के बाद भी जारी रखते हुए दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में विस्तार करने की मांग की।

> इसका उद्देश्य ग्रामीण, कम आय वाले शहरी और वंचित वर्गों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आजीविका बेहतर बनाना है

निदेशक ने बताया कि यह योजना 1967 में श्रमिक विद्यापीठ के रूप में शुरू हुई थी। 2000 में मानव संसाधन मंत्रालय और 2018-19 में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन आ गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण, कम आय वाले शहरी और वंचित वर्गों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आजीविका बेहतर बनाना है।

छत्तीसगढ़ में यह योजना 14 जिलों - रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, कोरिया, सरगुजा, राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में संचालित है। देशभर में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 296 जिलों में यह योजना सक्रिय है, जिसमें करीब 2,500 कर्मचारी और 13,500 प्रशिक्षक जुड़े हैं और हर साल 5.30 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

बेमेतरा के बेतर में 132 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत, 97 गांवों को मिलेगा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। प्रदेश में पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बेमेतरा जिले के बेतर (दाढ़ी) में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र को प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने 1 सितंबर को ऊर्जीकृत किया। उपकेंद्र में 40-40 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, जिससे कुल 80 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता उपलब्ध हुई है। इसकी कुल लागत करीब 25 करोड़ रुपये है। नए उपकेंद्र से बेमेतरा के 72 और कवर्धा के 25 गांवों में विद्युत आपूर्ति मजबूत होगी। घरेलू, कृषि और अन्य उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय बिजली मिल सकेगी। उपकेंद्र को जोड़ने के लिए 220 केवी गेन्दपुर उपकेंद्र से छक्कड के जरिए 5 किमी नई पारेषण लाइन 8.8 करोड़ की लागत से बनाई गई है। ऊर्जीकरण के मौके पर प्रबंध निदेशक शुक्ला ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है, जिससे भविष्य के विद्युत भार के लिए भी अधोसंरचना तैयार होगी। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालिक निदेशक एम.एस. चौहान, संजय पटेल, के.एस. मनोठिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिगों को डरा-धमका कर जेवर और नगदी वसूलने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नाबालिग बच्चों को बहला-फुसला कर, डरा-धमका कर और ब्लैकमेल कर घर से सोने-चांदी के जेवर और नगदी मंगवाने वाले दंपति को गुढ़ियारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रार्थिया सोनम साहू ने थाना गुढ़ियारी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बड़ा अशोक नगर में प्रोविजन स्टोर के पास रहने वाली वंदना साहू ने उसकी 11 वर्षीय भांजी को डरा-धमका कर ब्लैकमेल किया। बच्ची ने घर से सोने के झुमके, सोने की चैन और 2 सितंबर को नानी का रानीहार चोरी कर वंदना को दे दिया। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि वंदना और उसका पति दीपक बीच-बीच में नगदी भी वसूलते थे। आसपास के अन्य अबोध बच्चों से भी इसी तरह उगाही की गई।

रिपोर्ट पर थाना गुढ़ियारी में अपराध क्र. 390/26 धारा 308(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज हुआ। डीसीपी नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के निर्देशन, एडिशनल डीसीपी आदित्य पांडेय और एसीपी उरला पूर्णिमा लामा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गुढ़ियारी की टीम ने संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से उगाही किए हुए सोने के टॉप्स और चैन जब्त की है।

गिरफ्तार आरोपी -

1. वंदना साहू (26) पति दीपक साहू, निवासी प्रीतम नगर, बड़ा अशोक नगर, गुढ़ियारी 2. दीपक साहू (29) पिता रिखीराम साहू, निवासी प्रीतम नगर, बड़ा अशोक नगर, गुढ़ियारी

नदी में बह रहे थे लट्ठे: वन कर्मियों की सतर्कता से खुला 'पुष्पा' स्टाइल तस्करी का राज

> तलाशी पर नदी में अर्जुन के पेड़ की जड़ों से रस्सी के सहारे बंधा हुआ सागौन का भारी लट्ठा मिला, जिसे पानी में छिपाया गया था

नई दृष्टिबिंदु / मैनपुर/गरियाबंद

सुपरहिट फिल्म 'पुष्पा' की तर्ज पर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से सागौन की अंतरराज्यीय तस्करी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। तस्करों ने सागौन के भारी लट्ठों को नदी के तेज बहाव में बेड़ी बनाकर बहाने और पड़ोसी राज्य ओडिशा में खपाने की नई तरकीब निकाली थी, जिसे वन विभाग ने स्मार्ट सर्विलांस से नाकाम कर दिया। वन विभाग ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, जबकि तीन अन्य फरार हैं।

गश्त के दौरान मिला ताजा ठूंठ

मामले की शुरुआत 22 अगस्त को हुई। उत्तर उदंती परिक्षेत्र के कुर्रूभाटा बीट के कक्ष क्रमांक-03 में नियमित गश्त के दौरान टीम को उदंती नदी के किनारे सागौन के पेड़ का ताजा कटा हुआ ठूंठ मिला। तलाशी पर नदी में अर्जुन के पेड़ की जड़ों से रस्सी के सहारे बंधा हुआ सागौन का भारी लट्ठा मिला, जिसे पानी में छिपाया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम एक्टिव कर निगरानी बढ़ा दी।

26 अगस्त को निगरानी के दौरान दो संदिग्ध उसी लट्ठे के आसपास घूमते दिखे। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी पहचान बरगांव मैनपुर निवासी भोजलाल नागेश और गंगाराम विश्वकर्मा के रूप में हुई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी लट्ठों को अस्थायी बेड़ी के रूप में बांधकर पैरी नदी के बहाव के सहारे ओडिशा भेजने की योजना में थे ताकि सड़क चेकिंग से बच सकें।

ओडिशा तक फैला नेटवर्क

विवेचना बढ़ने पर ओडिशा के शोभाचंद्र नायक की भूमिका सामने आई। गरियाबंद पुलिस के सहयोग से उसे भी गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के अनुसार शोभाचंद्र पहले भी वन अपराधों में वांछित रहा है और इस तस्करी का मुख्य खरीदार था। आरोपियों की निशानदेही पर भोजलाल के घर से हाथ आरा, साल की चिरान लकड़ी और नदी में छिपाए गए अन्य लट्ठे बरामद किए गए। गंगाराम के पास से करीब 0.95 घनमीटर सागौन जब्त हुआ है। तीनों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गरियाबंद के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। विभाग फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश में जुटा है।

निधन

पुष्पेश सिंह

भिलाई। 109 सुंदर नगर निवासी युवा व्यवसायी, क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के आजीवन सदस्य पुष्पेश सिंह (पिता स्वर्गीय लालदेव सिंह) 43 साल का मुंबई में इलाज के दौरान आज सुबह 7 बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार 7 सितंबर को दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे माता, पत्नी, दो बच्चों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे राजीव रंजन सिंह के छोटे भाई, क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के पूर्व अध्यक्ष अजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, विकास सिंह, सुजीत सिंह, मदन जीत सिंह, प्रदीप सिंह, शशिकांत सिंह, पवन सिंह के चचेरे भाई थे।

संपादकीय

छत्तीसगढ़ में सरकार ने यूसीसी के लिए तैयारी शुरू कर दी है

समान नागरिक संहिता भी भाजपा का एक पुराना वादा है, अब जब देश के राज्यों में भी भाजपा की सरकार बन गई हैं तो भाजपा राज्यों में सभी वर्ग, धर्म लोगों के लिए एक जैसा कानून बनाने का वादा पूरा करने जुट गई है। कई राज्यों में भाजपा सरकारों ने यूसीसी का वादा पूरा कर दिया है यानी कई राज्यों में यूसीसी लागू हो गया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। बैठकों को दौर जारी है, बैठक में धार्मिक, सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न आयोगों, निगम, मंडल के पदाधिकारियों से सुझाव लिए जा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि संविधान के अनुच्छेद ४४ के तहत राज्य के नीति निदेशक तत्वों को साकार करने के उद्देश्य से गठित यूसीसी समिति के समक्ष धार्मिक सामाजिक संगठनों, विभिन्न वर्गों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारी लगातार सुझाव देने सहभागिता कर रहे हैं।

समान नागरिक संहिता का मकसद प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति, पंथ से परे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने जैसे पारिवारिक मामलों में एक समान नियम बनाना है ।इसके तहत अलग अलग वर्गों में मौखिक तलाक और कुछ धार्मिक कुप्रथाओं पर रोक लगाई जाएगी ।इसका मकसद धर्म समुदाय से परे हटकर सभी लोगों के लिए एक विधिक ढांचा तैयार करना है ।कई मामलों में महिलाओं का बराबर का अधिकार नहीं है, ऐसे मामलो में महिलाओं को बराबर का अधिकार देने का प्रयास किया जाएगा। ऐसे जो भी नियम है, असमानता को बढ़ावा देने वाले उनको समाप्त किया जाएगा ।वतर्मान में लागू विभिन्न व्यक्तिगत कानूनो की जटिलताओं और भ्रम को दूर कर एक स्पष्ट और सुव्यवस्थित संहिता का निर्माण करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की तैयारी तेज हो गई है ।इसके लिए उच्चस्तरीय समिति बना दी गई है। पांच सदस्यीय समिति को आम लोग, धार्मिक संगठन, सामाजिक संगठन, आयोग, निगम, मंडल, विशेषज्ञ १५ अक्टूबर २०२६ तक अपना सुझाव दे सकते हैं। इसके बाद सुझावों का अध्ययन कर ड्राफ्ट बनाया जाएगा और सरकार को सौंपा जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में यूसीसी विधेयक को पेश किया जा सकता है ।भाजपा कोई अच्छा काम करे और कांग्रेस उसका विरोध न करे ऐसा होता नहीं है। भाजपा ने जैसे ही यूसीसी की तैयारी शुरू की कांग्रेस की तरफ से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि आदिवासियों के अधिकार कम करने, परंपराओं, मान्यताओं को समाप्त करने के लिए यूसीसी लाया जा रहा है ।यही वजह है भाजपा ने हाल ही में न्यू सर्किट हाउस में आयोजित परिचर्चा में बस्तर से सरगुजा तक के आदिवासियों प्रतिनिधियों, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारियों से विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार, लिव इन पर सुझाव लिए गए है ।इस मौके पर कंवर, गोंड, बैगा और उरांव जातियों के प्रतिनिधियों ने यूसीसी में आदिवासी समाज की पारंपरिक प्रथाओं, रीतिरिवाजों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया ।भाजपा शासित जिन राज्यों में यूसीसी लागू किया गया है वहां पर अनुसूचित जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखा गया है ।जैसे उत्तराखंड में अजजा को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है ।गुजरात में पारित विधेयक में अजजा को उनके पारंपरिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए छूट दी गई है ।असम और मप्र में भी जनजातीय समुदायों को यूसीसी के प्रावधानों से मुक्त रखा गया है।

महिला आयोग ने भी महिलाओं के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए हैं ।यूसीसी के लिए मुसलमान समाज के प्रबुध्द लोगों की बैठक हुई तो उसमें समाज के अधिवक्ता, कानून के जानकार, उलेमा, मुफ्ती, शहर काजी, कुरान, शरीयत के जानकार, विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने विचार विमर्श किया गया ।तय किया गया कि यूसीसी में सुझाव देने के लिए राज्यस्तरीय समिति बनाई जाएगी जो जिलों में जाकर लोगों से सलाह मश्वरा करेगी ।बैठक में कहा गया कि यूसीसी के मुद्दो पर विरोध के बजाय रचनात्मक संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी ।भारतीय संविधान में निहित समानता, न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखते हुए ।मुस्लिम समाज के सुझावों को यूसीसी समिति के समक्ष रखा जाएगा। सरकार की तो पूरी कोशिश है कि यूसीसी पर किसी तरह का विवाद, विरोध हो और सभी के सहयोग यूसीसी बने और दूसरे राज्यों की तरह जल्द राज्य में भी यूसीसी लागू कर दिया जाए। कांग्रेस हर बात का विरोध करेगी और वह तो ताक में रहेगी कि किस बात पर यूसीसी का वह विरोध कर सकती है और लोगों को गुमराह कर सकती है ।आदवासियों को गुमराह करने का प्रयास वह पहले कर चुकी है इसलिए यूसीसी लागू होने के बाद फिर वह आदिवासियों व मुसलमानों को गुमराह कर सकती है। इसलिए सरकार को यूसीसी लागू करने पहले एक बार फिर से सभी समाज के लोगों से चर्चा कर लेनी चाहिए ताकि कांग्रेस को यूसीसी पर राजनीति करने का कोई मौका न मिले।

क्लोरीनेशन से लेकर प्रयोगशाला जांच तक बहुस्तरीय व्यवस्था

विशेष लेख

एस.आर. पाराशर
उप संचालक

बारिश के मौसम में हर बूंद की सुरक्षा, धमतरी में पेयजल गुणवत्ता की चौकस निगरानी

बारिश की बूंदें जहां खेतों के लिए नई उम्मीद लेकर आती हैं, वहीं मानसून के दौरान पेयजल स्रोतों की सुरक्षा भी एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। वर्षा और जलभराव के कारण पेयजल स्रोतों के दूषित होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे समय में ग्रामीण परिवारों तक पहुंचने वाला पानी केवल पर्याप्त ही नहीं, बल्कि स्वच्छ और सुरक्षित भी हो—इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए धमतरी जिले में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा मानसून अवधि में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी, आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन, जल टंकियों की साफ–सफाई, ग्राम स्तर पर जल परीक्षण तथा प्रयोगशालाओं में घरेलू जल नमूनों की जांच की जा रही है। यानी जल स्रोत से लेकर ग्रामीण परिवार के घर तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है।

धमतरी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था का नेटवर्क व्यापक है। जिले में 9,981 हैंडपंप और 16,024 पेयजल स्रोत उपलब्ध हैं। इसके साथ ही 548 जल टंकियां ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन सभी संसाधनों की नियमित निगरानी और आवश्यक रखरखाव के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं में जल के डिसइंफेक्शन के लिए जिले में 529 क्लोरिनेटर मशीनों की व्यवस्था की गई है। ये मशीनें जल में संभावित हानिकारक सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जिले में 718 नल जल योजनाएं और 2 समूह जल प्रदाय योजनाएं भी संचालित हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों तक नल के जरिए पेयजल पहुंचाया जा रहा है। अब जोर इस बात पर है कि नल तक पहुंचने वाला पानी निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप भी रहे।

गांव की जल बहिनियां बनीं जल गुणवत्ता की प्रहरी

पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी को केवल विभागीय व्यवस्था तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि ग्राम समुदाय को भी इसका महत्वपूर्ण भाग बनाया गया है। जिले के 623 ग्रामों में Field Test Kit (FTK) उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक ग्राम में पांच जल बहिनियों को जल परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

इस तरह 3,110 जल बहिनियां ग्राम स्तर पर पेयजल गुणवत्ता की निगरानी में अपनी भूमिका निभा रही हैं। ये जल बहिनियां विभिन्न पेयजल स्रोतों से नमूने लेकर FTK के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर पानी की गुणवत्ता की जांच करती हैं। इससे किसी संभावित समस्या की प्रारंभिक स्तर पर पहचान करने में सहायता मिलती है।

यह व्यवस्था ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के साथ–साथ जल गुणवत्ता के प्रति समुदाय में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित कर रही है।

हर सप्ताह 120 घरेलू जल नमूनों की प्रयोगशाला जांच

मानसून के दौरान निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिले के चारों विकासखंडों—कुरूद, मगरलोड, धमतरी और नगरी—से प्रत्येक सप्ताह घरेलू जल के नमूने लिए जा रहे हैं। प्रत्येक विकासखंड से 30–30 नमूने, यानी जिले से कुल 120 घरेलू जल नमूने प्रत सप्ताह जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

इन नमूनों का परीक्षण जिला स्तरीय प्रयोगशाला धमतरी तथा उपखंड स्तरीय प्रयोगशालाओं में किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह 15 जल टंकियों की निगरानी भी की जा रही है।

इस व्यवस्था का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि इससे केवल जल स्रोत की स्थिति ही नहीं, बल्कि घरों तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता का भी आकलन संभव होता है। यदि कहीं गुणवत्ता संबंधी कमी सामने आती है तो संबंधित स्थान पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

क्लोरीनेशन : सुरक्षित पेयजल की महत्वपूर्ण कड़ी

मानसून के दौरान पेयजल स्रोतों में क्लोरीनेशन की आवश्यकता बढ़ जाती है। विभाग द्वारा हैंडपंप एवं अन्य पेयजल स्रोतों में आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन की कार्रवाई की जा रही है। वहीं जल जीवन मिशन के तहत निर्मित जल टंकियों की नियमित सफाई एवं रखरखाव भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

529 क्लोरिनेटर मशीनों के माध्यम से नमक एवं पानी के घोल को इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से गुजारकर सक्रिय क्लोरीन तैयार की जाती है। निर्धारित मात्रा में तैयार क्लोरीनयुक्त घोल को जलापूर्ति प्रणाली में शामिल किया जाता है। इससे जल में मौजूद अनेक संभावित रोगजनक सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है।

अर्थात, पेयजल की सुरक्षा के लिए व्यवस्था केवल पानी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि पानी को सुरक्षित रखने की वैज्ञानिक प्रक्रिया को भी जलापूर्ति व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है।

जलजनित रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका

मानसून में दूषित पानी के कारण डायरिया, हैजा, टाइफाइड, पेचिश तथा हेपेटाइटिस–ए एवं ई जैसे जलजनित रोगों की आशंका बढ़ सकती है। ऐसे में समय पर जल गुणवत्ता की जांच, आवश्यक क्लोरीनेशन और जल टंकियों की सफाई इन जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ग्राम स्तर पर FTK से जांच और प्रयोगशाला स्तर पर नियमित परीक्षण की दोहरी व्यवस्था संभावित जल प्रदूषण की पहचान को मजबूत करती है। इसके साथ ही विभागीय अमले द्वारा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

स्रोत से घर तक—सुरक्षित पेयजल की पूरी श्रृंखला

धमतरी जिले में मानसून विशेष अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पेयजल गुणवत्ता की निगरानी को एक बहुस्तरीय प्रक्रिया के रूप में लागू किया गया है। एक ओर हजारों हैंडपंप और पेयजल स्रोतों की निगरानी हो रही है, तो दूसरी ओर जल टंकियों की सफाई और क्लोरीनेशन किया जा रहा है। ग्राम स्तर पर प्रशिक्षित जल बहिनियां FTK से जांच कर रही हैं और प्रयोगशालाओं में प्रत्येक सप्ताह घरेलू जल नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है।

इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य स्पष्ट है—हर ग्रामीण परिवार तक पर्याप्त मात्रा में ऐसा पेयजल पहुंचे, जो स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण हो।

स्वच्छ पेयजल के लिए प्रशासन के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी

पेयजल की सुरक्षा केवल प्रशासन और विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने ग्रामीण नागरिकों से पेयजल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, कचरा एवं गंदा पानी स्रोतों के आसपास जमा न होने देने और जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने में सहयोग की अपील की है। यदि पेयजल के रंग, गंध या स्वाद में असामान्य परिवर्तन दिखाई दे अथवा जलापूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की समस्या सामने आए तो इसकी सूचना तत्काल ग्राम पंचायत या संबंधित विभागीय अमले को देने की अपील की गई है।

सुरक्षित पानी, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज

मानसून के दौरान पेयजल गुणवत्ता की यह सतत निगरानी केवल एक विभागीय अभियान नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वैज्ञानिक तकनीक, नियमित परीक्षण, क्लोरीनेशन, जल टंकियों की सफाई और ग्राम स्तर पर समुदाय की भागीदारी—इन सभी प्रयासों को एक साथ जोड़कर धमतरी जिले में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

स्वच्छ जल स्वस्थ जीवन की पहली आवश्यकता है। इसी संकल्प के साथ धमतरी में मानसून के दौरान हर बूंद की गुणवत्ता और सुरक्षा पर निरंतर नजर रखी जा रही है।

लंबित मामले और सवोच्च न्यायालय की ऐतिहासिक पहल

महेन्द्र तिवारी

भारतीय न्याय व्यवस्था इस समय जिस सबसे गंभीर चुनौती का सामना कर रही है, वह मुकदमों का बढ़ता हुआ बोझ है। देश की जिला और अधीनस्थ अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं। इन मामलों के पीछे करोड़ों नागरिकों की उम्मीदें, संपत्ति, परिवार और जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष जुड़े हुए हैं। किसी व्यक्ति को न्याय पाने के लिए वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने पड़ें तो न्याय व्यवस्था की उपयोगिता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठता है। न्याय में देरी को न्याय से वंचित करने के समान माना जाता है और आज यह कहावत भारतीय न्याय व्यवस्था की वास्तविकता को सामने रखती है।

इसी गंभीर स्थिति के बीच सवोच्च न्यायालय ने जिला न्यायपालिका में अनुभवी न्यायाधीशों की सेवाओं का अधिक समय तक उपयोग करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय ने छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को जिला न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने के लिए सेवा नियमों में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया यथासंभव 2 महीने के भीतर पूरी करने को कहा गया है। हालांकि अतिरिक्त 2 वर्ष की सेवा सभी न्यायाधीशों को स्वत: नहीं मिलेगी। 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर संबंधित उच्च न्यायालय उनके कार्य, योग्यता और उपयुक्तता का मूल्यांकन करेगा। संतोषजनक प्रदर्शन वाले अधिकारियों को ही आगे सेवा का अवसर मिलेगा।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू उन न्यायिक अधिकारियों से जुड़ा है जो 31 मार्च 2026 या उसके बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। यदि उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद कोई दूसरी नौकरी या लाभ का पद स्वीकार नहीं किया है, तो उन्हें न्यायिक सेवा में वापस आने का अवसर दिया जा सकता है। इससे हाल ही में सेवानिवृत्त हुए अनुभवी अधिकारियों की क्षमता का उपयोग लंबित मुकदमों के निपटारे में किया जा सकेगा।

सवोच्च न्यायालय ने राज्यों की उस आपत्ति को भी स्वीकार नहीं किया कि सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ेगा। न्यायालय का तर्क है कि न्यायिक अधिकारी सामान्य सरकारी कमर्चारियों से अलग होते हैं। वे अपेक्षाकृत अधिक आयु में न्यायिक सेवा में प्रवेश करते हैं और उनके पास विधि तथा न्यायिक कार्य का गहरा अनुभव होता है। इसलिए उनकी सेवा अवधि में 2 वर्ष की वृद्धि को सामान्य सरकारी सेवाओं से जोड़कर देखना उचित नहीं है। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि सेवानिवृत्ति को आगे बढ़ाने से तत्काल मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभ और पेंशन का भुगतान भी आगे खिसक सकता है।

निश्चित रूप से केवल सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से लंबित मामलों का पहाड़ समाप्त नहीं होगा। न्यायाधीशों के रिक्त पद भरना, अदालतों में पर्याप्त कमर्चारी उपलब्ध कराना, न्यायालय भवनों और सुविधाओं का विस्तार करना तथा तकनीक का प्रभावी उपयोग भी आवश्यक है। इसके साथ अनावश्यक स्थगन रोकने और छोटे विवादों के शीघ्र समाधान की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। फिर भी सवोच्च न्यायालय की यह पहल न्यायिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अनुभवी न्यायाधीशों को व्यवस्था में बनाए रखने से जटिल मामलों की सुनवाई में गति और निणर्यों की गुणवत्ता दोनों बेहतर हो सकती हैं। यदि राज्यों का सहयोग, न्यायपालिका की इच्छाशक्ति और प्रशासनिक सुधार साथ चलते हैं, तो करोड़ों लंबित मामलों से जूझ रहे आम नागरिक के लिए त्वरित न्याय की उम्मीद निश्चित रूप से मजबूत होगी।

सपनों को मिला अपना आशियाना, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता नारायणपुर

विष्णु राठौर

अपने घर की छांव केवल चार दीवारें या छत नहीं होती, बल्कि यह परिवार की सुरक्षा, समाज में सम्मान और एक बेहतर भविष्य का अटूट भरोसा होती है। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने नारायणपुर जिले के ग्रामीण परिवारों के इस चिरप्रतीक्षित सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण परिवारों को न केवल पक्के और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि उनके जीवन में एक अभूतपूर्व स्थायित्व, आत्मसम्मान और नए आत्मविश्वास का संचार भी हो रहा है।

जिले में 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण

नारायणपुर जिले में योजना के सुचारू क्रियान्वयन के तहत कुल 10 हजार 130 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 5 हजार 360 आवास द्रुत गति से निर्माणाधीन हैं। इस पूरे अभियान के माध्यम से जिले के कुल 10 हजार 130 ग्रामीण लाभार्थी एवं परिवार सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा आवास निर्माण की गति को बढ़ाने के साथ-साथ सभी पात्र परिवारों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पक्का घर, परिवार की सुरक्षा का मजबूत आधार

ग्रामीण अंचल के परिवारों के लिए एक पक्का मकान महज रहने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह उनके सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की मजबूत आधारशिला होता है। वर्षों तक कच्चे, जर्जर और असुरक्षित मकानों में मौसम की मार झेलने वाले परिवारों को जब अपना पक्का आवास मिलता है, तो उन्हें मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी और अन्य प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से स्थाई सुरक्षा मिल जाती है।

सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का हो रहा है निर्माण

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित ये पक्के मकान ग्रामीणों की जिंदगी में एक नई स्थिरता ला रहे हैं। अपने आशियाने का सपना पूरा होते ही इन परिवारों में भविष्य को लेकर एक नया विश्वास जगा है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है।

4 हजार 770 परिवारों का सपना हुआ साकार

नारायणपुर जिले में योजना की प्रभावी प्रगति के फलस्वरूप अब तक 4 हजार 770 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने के साथ ही वर्षों से अपने पक्के घर की आस लगाए बैठे हजारों ग्रामीणों का सपना साकार हुआ है। ?अपने नए और पक्के घर में गृह प्रवेश करना इन परिवारों के लिए केवल एक आवास पाना भर नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन की एक नई और सुनहरी शुरुआत है। इस आशियाने के साथ ही वे सामाजिक सुरक्षा, प्रतिष्ठा और स्थायित्व का अनुभव कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, तेजी से बन रहे 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास भी बहुत जल्द पूणर्ता की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे आने वाले समय में और अधिक परिवारों को सुरक्षित छत नसीब होगी।

निर्माण कार्य से गांवों में बढ़ रही आर्थिक गतिविधियां

इस योजना का सकारात्मक और व्यापक प्रभाव केवल लाभार्थी परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दी है। मकान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों, मजदूरों, कारीगरों और निर्माण सामग्री के स्थानीय विक्रेताओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। ?निर्माण कार्यों की इस श्रृंखला से गांवों के भीतर आर्थिक चक्र तेज हुआ है और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिला है। इस प्रकार, यह योजना न केवल ग्रामीणों को सिर छिपाने के लिए पक्की छत दे रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में भी अहम भूमिका निभा रही है।

पारदर्शिता और नियमित निगरानी पर विशेष जोर

योजना के निष्पक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत नारायणपुर द्वारा लगातार समीक्षा और कड़ी मॉनिटरिंग की जा रही है। ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत स्तर तक निर्माण कार्य की हर चरण में गहन निगरानी रखी जा रही है, ताकि स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जा सके।

हितग्राहियों को निर्माण के विभिन्न चरणों में आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन निरंतर प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (ऊ्रीू३ इील्ली४३ ळ१ंल्ल२ाी१ - ऊइळ) जैसी पारदर्शी प्रक्रियाओं ने योजना के क्रियान्वयन में धांधली की गुंजाइश खत्म कर जवाबदेही और पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

हर परिवार के लिए पक्का घर, बेहतर भविष्य की नींव

प्रधानमंत्री आवास योजनाद्दग्रामीण नारायणपुर जिले के लिए केवल एक सरकारी योजना भर नहीं है, यह ग्रामीण परिवारों के सुरक्षित जीवन, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है। ?जिले में 10 हजार 130 स्वीकृत, 4 हजार 770 पूर्ण और 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि जिला प्रशासन इस संकल्प को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। साथ ही, योजना से जुड़े 10 हजार 130 लाभार्थी इस जन-कल्याणकारी अभियान की व्यापक पहुंच को दर्शाते हैं। एक पक्का घर किसी भी परिवार की सबसे बड़ी पूंजी और उसकी आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार होता हैकृऔर नारायणपुर में यह सपना अब धरातल पर सच होता दिखाई दे रहा है।

*गौवंश के अवैध परिवहन पर सोमनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

18 भैंस बरामद, 8 .80 लाख की संपत्ति जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सोमनी पुलिस ने गौवंश के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 नग भैंसों से भरा टाटा आयसर वाहन जब्त किया है। पुलिस ने मौके से वाहन चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

6 सितम्बर को पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि वाहन क्रमांक CG-15-DZ-4514 में मवेशियों को भरकर दुर्ग से राजनांदगांव होते हुए भंडारा महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। सूचना पर एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और सीएसपी केपी मरकाम के पयर्वेक्षण में थाना प्रभारी एमन साहू के नेतृत्व में टीम ने ठाकुरटोला टोल प्लाजा के पास नाकाबंदी की। पुलिस को देख चालक ने वाहन को यू-टर्न लेकर दुर्ग की ओर भगाने की कोशिश की। पीछा करने पर ग्राम टेडेसरा में अपना ढाबा के सामने डिवाइडर से टकराकर वाहन अनियंत्रित हो गया। पुलिस ने चालक को पकड़ा, जिसने अपना नाम संगीत मधुकर उर्फ टेटे (30) निवासी पथर्रा, भिलाई-3, दुर्ग बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह साथी राजू पारधी निवासी बुचीडीह सरदा के साथ 18 भैंसों को भंडारा ले जा रहा था।

डायल 112 के चालकों के वेतन, EPF-ESIC घोटाले की शिकायत, लाखों के भुगतान का मामला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डायल 112 सेवा में कार्यरत वाहन चालकों के वेतन, एढञ्ञ् एरकउ, बोनस और ग्रेच्युटी में कथित अनियमितता को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। जन अधिकार परिषद के अध्यक्ष और जोहार श्रमिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरुण सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में चालकों ने रायपुर स्थित 112 मुख्यालय पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराए और लंबित भुगतान की मांग उठाई। शिकायत में आरोप है कि 2018 से लगातार सेवा ले रहे चालकों को न्यूनतम वेतन और श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले लाभ नहीं दिए जा रहे। वेतन से एढञ्ञ्-एरकउ की राशि काटी जा रही है, लेकिन जमा, वेतन पर्ची, एउफ् एरकउ चालान में पारदर्शिता नहीं है।

सिसोदिया ने बताया कि कई चालकों के लाखों रुपये का भुगतान लंबित है। समान प्रकृति का काम करने के बावजूद बोनस, ग्रेच्युटी और अन्य वैधानिक सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि ठेका कंपनी और जिम्मेदार अधिकारियों के सभी रिकॉर्ड – वेतन भुगतान, बैंक स्टेटमेंट, EPF-ESIC चालान, GST/सेवा कर दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि श्रम कानूनों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई कर सभी चालकों को उनका हक दिलाया जाए।

खास खबर

*खाकी के सितारे : वर्दी में दौड़ता बस्तर का गौरव, 35 युवाओं को पहनाई खाकी

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा चलाए जा रहे "खाकी के सितारे अभियान" के तहत इस बार ऐसे जवान की कहानी सामने आई है, जिसने खेल के मैदान से लेकर पुलिस सेवा तक अपनी अलग पहचान बनाई है। हम बात कर रहे हैं आरक्षक भावेश कुमार सलाम, बैच क्रमांक 2003, पुलिस पीटीआई पुलिस लाइन कांकेर की। 19 मई 1999 को ग्राम मर्दापोटी में जन्मे भावेश ने बचपन से ही खेल को अपना जुनून बनाया। उन्होंने दुर्ग से बीपीएड की डिग्री ली और फिर देश के प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (ठक्र), पटियाला से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2017 में शुरू हुई मैराथन की दौड़

भावेश ने 2017 में मैराथन दौड़ना शुरू किया। 2019 में ब्लॉक स्तरीय 10 किमी में पहला प्रदर्शन, फिर जिला स्तरीय 21 किमी में प्रथम स्थान। इसी साल बस्तर विश्वविद्यालय की ओर से बेंगलुरु में आयोजित 42 किमी मैराथन में उन्होंने छत्तीसगढ़ को पहली बार टॉप-10 में पहुंचाया और टीम ने छठा स्थान हासिल किया।

वर्दी में भी चैंपियन

ॅपुलिस में भर्ती के बाद भी रफ्तार नहीं रुकी। पश्चिम बंगाल में आयोजित पुलिस गेम्स नेशनल में हिस्सा लिया। 2024 में जगदलपुर में हुई रेंज स्तरीय अंतर-जिला पुलिस खेल प्रतियोगिता में 5 किमी और 10 किमी दोनों में प्रथम स्थान हासिल किया।

उसके बाद राज्य से राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया

- *17वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2020 में द्वितीय*
- *18वीं राज्य स्तरीय चैंपियनशिप 2021 में तृतीय*
- *राज्य स्तरीय 10 किमी क्रॉस कंट्री में शानदार प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर चयन*
- *26 मार्च 2022 को नागालैंड में आयोजित साउथ एशियन गेम्स में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व*

अब युवाओं के लिए दौड़ रहे हैं भावेश

आज भावेश की दौड़ सिर्फ मेडल के लिए नहीं, बल्कि बस्तर के युवाओं को मंजिल तक पहुंचाने के लिए है। पुलिस लाइन कांकेर में पदस्थ रहते हुए वे "गोटूल स्पोर्ट्स अकादमी" के माध्यम से ग्रामीण और अंदरूनी क्षेत्रों के युवाओं को पुलिस भर्ती और शारीरिक दक्षता का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। अब तक उनके 35 प्रशिक्षु युवा पुलिस विभाग में चयनित हो चुके हैं। अब कांकेर पुलिस के "मिशन रक्षक" अभियान के तहत वे और अधिक युवाओं को तैयार करने में जुटे है।

हालिया उपलब्धियां

- *बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 – प्रथम स्थान, 1 लाख का इनाम*
- *धमतरी, रायपुर, बीजापुर ओपन मैराथन 10 किमी – द्वितीय स्थान*
- *कांकेर राज्य स्तरीय 10 किमी – द्वितीय, 5 हजार इनाम*
- *किरंदुल दंतेवाड़ा ओपन मैराथन – तृतीय, 8 हजार इनाम*
- *गोंदिया महाराष्ट्र नेशनल 21 किमी – 12वां स्थान*
- *अबूझमाड़ मैराथन 21 किमी – 7वां स्थान*

कांकेर पुलिस हर माह "खाकी के सितारे" के तहत ऐसे ही कर्तव्यनिष्ठ जवानों की प्रेरणादायी कहानी सामने लाती रहेगी।

डोंगरगढ़ में 50 हजार की भीड़ के बीच "जीरो-इंसिडेंट" रहा गोविंदा उत्सव

राजनांदगांव पुलिस की अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़ / राजनांदगांव

धार्मिक आस्था और उल्लास के प्रतीक गोविंदा उत्सव एवं कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन इस वर्ष डोंगरगढ़ में पूरी तरह शांतिपूर्ण और जीरो-इंसिडेंट के रूप में संपन्न हुआ। एसपी सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में राजनांदगांव पुलिस ने 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा में ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था की कि 5 सितंबर को दोपहर 12 बजे से रात 4 बजे तक चले आयोजन में कहीं कोई विवाद, भगदड़ या कानून-व्यवस्था की स्थिति नहीं बनी।

एक सप्ताह पहले से बनी थी रणनीति

पुलिस ने आयोजन से एक सप्ताह पहले ही सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान तैयार कर लिया था। गोविंदा उत्सव समिति, डीजे-साउंड संचालकों और आयोजकों के साथ बैठक कर शोभायात्रा के रूट, कार्यक्रम स्थलों और भीड़ प्रबंधन की पूरी

रूपरेखा तय की गई थी। शोभायात्रा आत्मानंद स्कूल मैदान, गोल बाजार चौक, नाकापारा, देवेश्वरी पारा, देव नगर और रेलवे स्टेशन सहित 5 प्रमुख स्थानों से होकर निकली। पूरे मार्ग पर पुलिस ने सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और सतत निगरानी की विशेष व्यवस्था रखी।

300 से अधिक जवान मैदान में

आयोजन को सुरक्षित संपन्न कराने के लिए 300 से अधिक अधिकारी-कमर्चारी तैनात किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, एसडीओपी केसरी नंदन नायक, सीएसपी वैशाली जैन, डीएसपी एंब्रोस कुजूर, के.के. बाजपेयी, सतानंद विंध्यराज, सुमन जायसवाल सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी पूरी रात मैदान में सक्रिय रहे। चौक-चौराहों पर लगातार निगरानी से भीड़ नियंत्रित रही और यातायात सुचारू बना रहा। एसपी अंकिता शर्मा ने कहा कि यह सफलता पूर्व तैयारी, बेहतर समन्वय और आम नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। धार्मिक नगरी डोंगरगढ़ में इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद जीरो-इंसिडेंट आयोजन पुलिस की कार्यकुशलता का प्रमाण है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा ने कसी कमर, बेमेतरा में दिखा जोश

अभियान को मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर रविवार को बेमेतरा के एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल में जिला स्तारीया कायर्शाला हुई। कार्यकर्ताओं में अभियान को लेकर खासा उत्साह दिखा। कायर्शाला में मुख्य वक्ता कुरूद विधायक अजय चंद्राकर और भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। अजय चंद्राकर ने कहा कि मोदी का 25 साल का सार्वजनिक जीवन सेवा, संघर्ष और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका सेवा भाव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की क्षमता है। सेवा का कार्य एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, यह कार्यकर्ता के व्यवहार में दिखना चाहिए। राहुल टिकरिहा ने कहा कि युवाओं के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। युवा केवल भविष्य के नेता नहीं, बल्कि वतर्मान की शक्ति हैं। उन्होंने युवाओं से रक्तदान, स्वच्छता, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सहायता जैसे सेवा कार्यों में आगे आने का आह्वान किया।

> **अजय चंद्राकर ने कहा कि मोदी का 25 साल का सार्वजनिक जीवन सेवा, संघर्ष और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है**

कायर्शाला की शुरुआत जिला अध्यक्ष अजय साहू के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि अभियान को मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा।

इस दौरान दयालदास बघेल, ईश्वर साहू, पोषण वर्मा, प्रणीश रजक, विजय वर्मा, प्रज्ञा निर्वाणी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दूसरे गांवों से पिपरिया में छोड़े गए आवारा मवेशी, परेशान ग्रामीणों ने झुंड को नया बस स्टैंड में छोड़ा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़।

जिले में आवारा मवेशियों की समस्या अब सड़क हादसों तक सीमित नहीं रही, किसानों की फसलों के लिए भी बड़ा संकट बन गई है। पिपरिया वार्ड क्रमांक 1 व 2 में दूसरे गांवों के लोगों द्वारा सैकड़ों मवेशी लाकर छोड़ दिए जाने से किसान परेशान हो गए। फसलों को चौपट होते देख और प्रशासन से निराश होकर ग्रामीणों ने बैठक कर गुरुवार रात पूरा झुंड खैरागढ़ के नया बस स्टैंड में लाकर छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि एक माह पहले ही पिपरिया सहित 8 गांवों के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की थी कि बाहर से लाकर छोड़े जा रहे मवेशी खेतों में घुसकर फसल बर्बाद कर रहे हैं। ग्रामीणों ने स्थायी समाधान और मवेशियों के उचित प्रबंधन की मांग की थी, लेकिन एक महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। नाराज वाडर्वासियों ने बैठक में निर्णय लिया कि अब मवेशियों को नगर में छोड़ा जाएगा। रात में सैकड़ों मवेशी नया बस स्टैंड परिसर में छोड़ दिए गए, जिसके बाद से नगर की सड़कों, गलियों और बाजार में मवेशियों का जमावड़ा लगा है। दिन में खाने की तलाश में घूमते हैं और शाम होते ही मुख्य मार्ग पर बैठ जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर गौठान, चारा-पानी और सड़कों से मवेशी हटाने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। पिपरिया से शुरू हुई समस्या अब सीधे शहर के बीचोंबीच पहुंच गई है। अब देखना होगा प्रशासन कब जागता है।

हादसा हादसे के दौरान सड़क किनारे खड़ा एक बच्चा बाल-बाल बच गया

दुर्ग में तेज रफ्तार कार का कहर: बकरी को रौंद तालाब में घुसी कार, बच्चा बाल-बाल बचा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चिखली इंदिरा नगर में रविवार को तेज रफ्तार कार ने जमकर कहर बरपाया। अनियंत्रित कार ने पहले एक बकरी को टक्कर मारी और फिर सीधे तालाब में जा घुसी। हादसे के दौरान सड़क किनारे खड़ा एक बच्चा बाल-बाल बच गया।

जानकारी के मुताबिक कार में तीन युवक सवार थे, जो नाबालिग बताए जा रहे हैं। कार तेज गति में थी और बकरी को रौंदते हुए तालाब में चली गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने दौड़कर कार सवारों को बाहर निकाला।

सबसे डरावना मंजर तब रहा जब कार बच्चे के बेहद करीब से गुजरी। बच्चे ने दौड़कर अपनी जान बचाई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों के अनुसार कार सवार नशे में धुत थे। सूचना पर जेवरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस मेडिकल जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है। यह पूरा मामला जेवरा चौकी थाना क्षेत्र का है।

लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष की संपत्ति पर RTI में जानकारी नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग में सुनवाई के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। शिकायत प्रकरण क्रमांक C/2623/2024 (हर्ष अग्रवाल विरुद्ध जनसूचना अधिकारी, छग लोक सेवा आयोग) में आयोग ने आदेश दिनांक 06.01.2026 में माना है कि तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी द्वारा अभनपुर में कॉलेज, ग्राम सरबदा (चण्डी के पास) में राजमहल जैसा फार्म हाउस, राजेंद्रनगर रायपुर में बंगला और ग्राम नगपुरा दुर्ग में कृषि भूमि सहित अन्य क्रय-विक्रय के संबंध में आयोग में कोई दस्तावेज/जानकारी नहीं है। कार्यकर्ता हर्ष अग्रवाल ने 06.09.2023 को उक्त संपत्तियों के लिए दी गई अनुमति और दस्तावेज मांगे थे। जनसूचना अधिकारी ने 27.09.2023 को जवाब दिया कि कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, जिसे सूचना आयुक्त आलोक चंद्रवंशी ने मान्य कर प्रकरण नस्तीबद्ध कर दिया।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गोलबाजार पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी के आरोपी लकेश्वर उर्फ लकी साहू को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक बरामद की है। प्रार्थी दया शंकर पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 अक्टूबर 2025 को उसने अपनी इं ढ४'२१ ठ150 क्रमांक उॅ-06-लइ-8950 जयस्तंभ चौक स्थित किरण होटल के सामने लॉक कर खड़ी की थी। वापस आने पर वाहन गायब था। रिपोर्ट पर थाना गोलबाजार में अपराध क्रमांक 175/2025 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तैनात किए। सूचना के आधार पर लकेश्वर उर्फ लकी साहू (33) पिता स्व. भागवत साहू, निवासी खटियापाटी थाना भाटापारा, हाल संतोषी नगर टिकरापारा को पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी कबूल की। उसके कब्जे से चोरी की पल्सर कीमत लगभग 25 हजार रुपये जब्त की गई। कार्रवाई में परिवीक्षाधीन डीएसपी अमित कोसमा, थाना प्रभारी उपनिरीक्षक पुणे सिंह जुर्री, प्रशिक्षु एसआई सुनील कुजूर और आरक्षक संदीप सिंह की भूमिका रही।

अल्काराज और मेदवेदेव US ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे

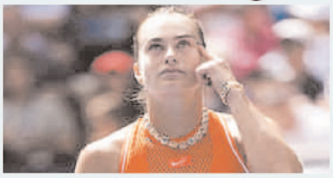

सबालेंका के मैच में गांजे की बदबू से रुका खेल, विंबलडन फाइनलिस्ट मुचोवा बाहर

न्यूयार्क (एजेंसी) न्यूयॉर्क में शुक्रवार को यूएस ओपन 2026 के तीसरे राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में पहुंच गए। 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटे अल्काराज ने 2 घंटे 20 मिनट में मैच जीता। वहीं, डेनियल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरक्नेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। विमेंस सिंगल्स में

डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने मैच के दौरान स्टैंड्स से आ रही गांजे की बदबू की शिकायत की, जबकि एम्मा नवारो ने विंबलडन फाइनलिस्ट कैरोलिना मुचोवा को हराकर बड़ा उलटफेर किया। विमेंस सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका के तीसरे राउंड के मुकाबले में अजीब स्थिति बन गई।

चोट से वापसी के बाद लय में लौट रहे अल्काराज

कलाई की चोट के कारण अप्रैल से सिंगल्स कोर्ट से दूर रहे अल्काराज टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे राउंड में पुर्तगाल के जेमी फारिया के खिलाफ एक सेट गंवाना पड़ा था।

वहीं तीसरे राउंड में वू यिबिंग के खिलाफ अल्काराज ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं जितना सोच रहा था, उससे बेहतर स्थिति में हूं। पहले मैच के बाद मुझे लगा था कि शारीरिक रूप से परेशानी होगी, लेकिन मेरी रिकवरी बहुत अच्छी हो रही है।'

मेदवेदेव ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की 2021 के यूएस ओपन चैंपियन डेनियल मेदवेदेव ने तीसरे राउंड में फ्रांस के आर्थर रिंडरक्नेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मेदवेदेव ने टूर्नामेंट में अब तक अपने तीनों मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं। अगले राउंड में उनका सामना अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो या मोनाको के वालेंटिन वाचेरोत से होगा।

नवारो ने विम्बलडन फाइनलिस्ट मुचोवा को हराया

विमेंस सिंगल्स में अमेरिका की एम्मा नवारो ने बड़ा उलटफेर करते हुए कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई।मुचोवा इस साल विम्बलडन की रनर-अप रही थीं और रू ओपन की दो बार सेमीफाइनलिस्ट भी हैं। वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टॉप-10 खिलाड़ी बनीं।नवारो की यह इस सीजन में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत है। वह 2024 यूएस ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंच चुकी हैं।चौथे राउंड में नवारो का सामना एलीना स्वितोलिना या एना कलिन्स्काया से होगा।

सात्विक-चिराग चीन मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

डेनमार्क की जोड़ी को हराया, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 श्रीकांत क्वार्टरफाइनल में हारे

शेनझेन (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन मास्टर्स 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

इस जोड़ी ने शुक्रवार को डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन को 21-13, 16-21, 21-18 से हराया। चीन के शेनझेन शहर में खेले गए क्वार्टरफाइनल मैच में भारतीय जोड़ी ने 15-17 से पिछड़ने के बाद वापसी की। उन्होंने तीसरे गेम के आखिरी सात में से छह पॉइंट जीतकर मैच अपने नाम किया।

सात्विक-चिराग ने दबाव में वापसी की- भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तेज शुरुआत की और 15-5 की बढ़त बना ली। उन्होंने इस गेम को 21-13 से जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त बनाई। दूसरे गेम में डेनमार्क की जोड़ी ने जोरदार वापसी की। गेम में स्कोर बराबरी का चल रहा था, लेकिन एस्ट्रुप और रासमुसेन ने आखिरी आठ में से सात पॉइंट जीत लिए। तीसरे गेम में भी डेनमार्क की जोड़ी 17-15 से आगे थी। रैलियों में उसका दबदबा था। सात्विक और चिराग ने आखिरी सात में से छह पॉइंट जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया।

श्रीकांत सीधे गेम में हारे, ली यू ने हराया

पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत का अभियान क्वार्टरफाइनल में हार के साथ खत्म हो गया। उन्हें हांगकांग के ली चेक यू ने 21-16, 21-16 से हराया। श्रीकांत ने दोनों गेम में कुछ मौकों पर लय बनाई, लेकिन वह अपनी चुनौती को कायम नहीं रख सके। ली चेक यू ने संयम बनाए रखा और सीधे गेम में मुकाबला जीत लिया। वर्ल्ड नंबर 13 लक्ष्य को कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई ने 38 मिनट चले मुकाबले में 21-14, 21-7 से हराया।

भारतीय अंडर19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत जूनियर मेंस हॉकी एशिया कप में 14-0 से जीता

इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरुआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया। प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

हाफ-टाइम तक स्कोर 6-0- दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त

भारत ने शुरुआत से ही आक्रमक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका।

एशियाड में आईओए अलग होटल की व्यवस्था नहीं करेगा

बीसीसीआई अपनी पसंद का होटल ले सकता है, लेकिन तब पूरी जिम्मेदारी बोर्ड की होगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। जापान में होने वाले एशियन गेम्स के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के लिए भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) अलग से होटल की व्यवस्था नहीं करेगा। अगर बीसीसीआई आयोजकों की ओर से तय होटलों के बजाय अपनी पसंद का होटल चुनता है, तो खिलाड़ियों के ठहरने, खाने, स्थानीय परिवहन और मैच वेन्यू तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बोर्ड की होगी। आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि एशियन गेम्स में शामिल सभी 36 खेलों के खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।भारत ने 2023 एशियन गेम्स में मेंस और विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था।

बीसीसीआई भेजेगा एडवांस टीम

बीसीसीआई सीईओ हेमांग अमीन और आईओए सीईओ रघुराम अय्यर के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। बीसीसीआई अगले हफ्ते की शुरुआत में एक एडवांस टीम जापान भेजेगा। यह टीम होटल, क्रिकेट वेन्यू और दूसरी स्थानीय सुविधाओं का जायजा लेगी। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि आयोजकों की ओर से दिए गए होटलों में रहना है या अपनी व्यवस्था करनी है।

मेंस टीम को 3-स्टार, विमेंस टीम को 4-स्टार होटल

एशियन गेम्स के आयोजकों ने भारतीय मेंस टीम के लिए 3-स्टार एपीए होटल नागोया एकिमाए और विमेंस टीम के लिए 4-स्टार ग्रैंड होटल की व्यवस्था की है।दोनों होटलों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेटरों के आमतौर पर रहने वाले 5-स्टार होटल की तुलना में ये एक लेवल नीचे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरे ट्विन-शेयरिंग के आधार पर दिए जाएंगे। यही व्यवस्था बीसीसीआई के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

अलग होटल में भी लागू रहेंगे सुरक्षा और डोपिंग नियम

अगर बीसीसीआई अपनी व्यवस्था करता है तो क्रिकेटर एशियन गेम्स सिस्टम से बाहर नहीं होंगे। खिलाड़ियों पर गेम्स के सुरक्षा, एक्रेडिटेशन और एक्सेस प्रोटोकॉल लागू रहेंगे। बिना वैध एक्रेडिटेशन वाले बाहरी लोगों को खिलाड़ियों के होटल में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा वाडा और इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के डोप-कंट्रोल अधिकारियों को खिलाड़ियों के ठिकाने की जानकारी देनी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर रैंडम डोप टेस्ट किया जा सके।

महिला टीम पहले पहुंचेगी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला टीम दुबई में एशिया कप खेलने के बाद 13 सितंबर को भारत लौटेगी और 14 सितंबर को नागोया के लिए रवाना होगी।महिला टीम एशियन गेम्स में सीधे क्वार्टरफाइनल से अभियान शुरू करेगी। उसका पहला मुकाबला 18 सितंबर को होगा और टीम का टूर्नामेंट 22 सितंबर तक चलेगा।

'रनों और रत्नों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें- अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और रत्नों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा।' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है।

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेकसस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरक्नेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंटकिट्स ने सेंटलूसिया को 137 रन से हराया

वार्नरपार्क। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंटकिट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंटकिट्स ने सेंटलूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंटलूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंटकिट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे। एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी।

अभिलाष थपलियाल ने तापसी के फिल्मों के चयन को सराहा

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को अभिनेत्री के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।'

अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!'

देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

द ट्रेटर्स 2 की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।'

क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।''

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

रिदा थराना ने भी अपनी जीत को लेकर कहा, ''अगर किसी ने मुझे पहले दिन बताया होता कि मैं इस गेम को एक ट्रेटर के तौर पर खत्म करूंगी, तो मैं हंस पड़ती। मैं शुरुआत में इनोसेंट प्लेयर बनकर खेलना चाहती थीं, क्योंकि मुझे लगता था कि मैं झूठ नहीं बोल सकतीं। लेकिन बाद में पूरा खेल बदल गया।'' रिदा ने कहा, ''ट्रेटर बनने के बाद मेरे पास फिनाले तक पहुंचने की प्लानिंग थी, लेकिन सबसे मुश्किल हिस्सा उन लोगों के खिलाफ खेलना था, जिनकी मैं सच में परवाह करती थीं।

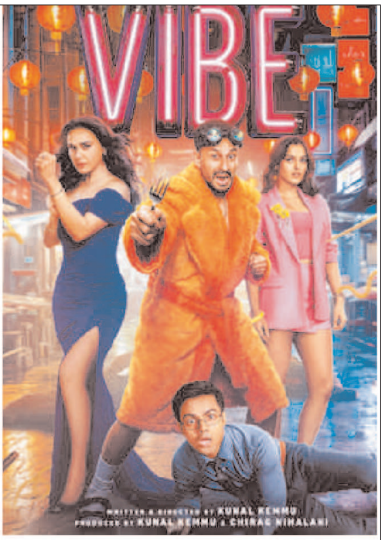

'वाइब': अनचाहे मिशन पर निकलेंगे कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव

कुणाल खेमू ने अपनी अगली फिल्म 'वाइब' का ट्रेलर रिलीज किया। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है जिसमें खुद कुणाल भी प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव के मुख्य किरदारों में है। फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर में कॉमेडी और एक्शन दोनों ही सामान्य मात्रा में परोसे गए हैं। कुणाल खेमू की कॉमेडी और स्पर्श श्रीवास्तव के सुलझे हुए अभिनय के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म फैंस का मनोरंजन कर सकती है। फिल्म वाइब के 2 मिनट 44 सेकेंड के ट्रेलर में रोमांस और कॉमेडी को दिखाया गया है। ट्रेलर में बताया कि कहानी दो दोस्तों हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) की है। बेपरवाह जिंदगी जीने वाले इन दोस्तों को पता चलता है कि देश एक बड़े खतरे का सामना करने वाला है। इस खतरे से निपटने के लिए दोनों को एक मिशन में शामिल किया जाता है, जिसका यह दोनों ही हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिल्म में प्रीति जिंटा हार्दिक और बग्स की बॉस बनी हैं। वो भी इसमें एक्शन करती नजर आएंगी। दूसरी तरफ अभिनेत्री वंशिका धीर, कुणाल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस ट्रेलर में कुणाल की रियल लाइफ सास और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की भी झलक है।

स्पाई वर्ल्ड में कॉमेडी का मसाला

'वाइब' के ट्रेलर में स्पाई वर्ल्ड से प्रेरित कहानी को कॉमेडी में लपेट कर दिखाया गया है। कुणाल के लिए यह दूसरी फिल्म है जिसका वह निर्देशन करेंगे। 'लापता लेडीज' में एक गंभीर किरदार निभाने के बाद स्पर्श श्रीवास्तव पहली बार कॉमेडी रोल में दिखाई देंगे। प्रीति जिंटा की तो 'बंटवारा 1947' के बाद यह रोल उनके लिए भी कुछ नया है।

कब रिलीज होगी 'वाइब'

फिल्म 'वाइब' का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमू ने किया है। इसका निर्माण भी कुणाल खेमू, चिराग निहलानी के साथ मिलकर ड्रोगो फिल्म्स के बैनर तले कर रहे हैं। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

असुर 3 में श्वेता बसु की भी एंट्री, गौरव करेंगे निर्देशन

वेब सीरीज 'असुर' के तीसरे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अरशद वारसी और बरुण सोबती की इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू होने की तैयारी है। इसकी स्क्रिप्ट भी लॉक हो चुकी है। तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार की डिटेल फिलहाल गोपनीय रखी गई है। माना जा रहा है कि उनकी एंट्री कहानी में नई परत जोड़ेगी। वह सीरीज में नया सस्पेंस जोड़ेंगी। वहीं, कास्टिंग अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। इस बार 'असुर 3' में कैमरे के पीछे भी बदलाव होगा। सीरीज के क्रिएटर और राइटर गौरव शुक्ला पहली बार निर्देशन की कमान संभालेंगे। पहले दोनों सीजन ओनी सेन ने निर्देशित किए थे।

फेम वेदिका पिंटो को मिली प्रोसीत रॉय की अगली फिल्म

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नज़र आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉकटेल है, जो कहानी को काफी इंट्रिगिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बा*ड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सेटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टेबल किरदार एक्सप्लोर करते नज़र आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज़ होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइज़िंग! अपने डिस्टिंक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।

एक्ट्रेस मेधा शंकर को डेट कर रहे समय रैना?

विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही फ्लाइट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट विवादों से दूर नहीं रहा है।

मेधा शंकर 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के पैनल में शामिल हुई

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लेटेस्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं।

समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही फ्लाइट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है।

इंडियाज गॉट लेटेंट में कश्मीरी-बिहारी जोक पर बवाल

पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर अपने कंटेंट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शेरोन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेंट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और इससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शेरोन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शेरोन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का प्रीमियर

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अनोखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं। उनकी पिछली फिल्म रोमांटिक कॉमेडी 'गिन्नी वेड्स सनी 2' बताई जा रही है।

"एक शाम सुनहरे नग़मों के नाम" बिखेरी सुरों की स्वर्णिम छटा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई के कला एवं संगीत प्रेमियों के लिए रविवार की शाम बेहद खास और यादगार रही। एसएनजी द स्वीट मेलोडीज (रठऋळीं रद्यी३ टी'ङ्मीं२) द्वारा आयोजित संस्था के 7वें वार्षिक समारोह ह्लएक शाम सुनहरे नग़मों के नामह्न का भव्य आयोजन कला मंदिर प्रेक्षागृह, सिविक सेंटर, भिलाई में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों, गणमान्य अतिथियों और शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुराने सदाबहार गीतों की सुरमयी प्रस्तुतियों से सभागार गूंजता रहा और दर्शकों ने कलाकारों का उत्साह तालियों के साथ बढ़ाया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें 60 के दशक से लेकर 70, 80 और 90 के दशक तक के लोकप्रिय एवं सदाबहार फिल्मी गीतों को प्रस्तुत किया गया। इन गीतों ने उपस्थित श्रोताओं को पुराने दौर की सुनहरी यादों में पहुंचा दिया। एक के बाद एक बेहतरीन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया और दर्शक देर तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे।

समारोह में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजकों एवं उपस्थित संगीत प्रेमियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान संगीत प्रेमियों के विशेष अनुरोध पर श्री विजय बघेल जी ने स्वयं भी एक गीत प्रस्तुत किया। उनके द्वारा गीत प्रस्तुत किए जाने की घोषणा होते ही सभागार में उत्साह का माहौल बन गया। जैसे ही उन्होंने अपनी प्रस्तुति दी, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सांसद जी की इस सहज एवं आत्मीय भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

एसएसपी विजय अग्रवाल कार्यक्रम में नहीं आ सके, लेकिन उनका सम्मान विशेष रूप से किया गया कार्यक्रम में दुर्ग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल जी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। शहर में उत्पन्न कुछ आवश्यक परिस्थितियों एवं व्यस्तताओं के कारण वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके। आयोजकों ने उनकी अनुपस्थिति को समझते हुए उनके सम्मान को कार्यक्रम में बनाए रखा। एसएसपी श्री विजय अग्रवाल जी के लिए तैयार किया गया प्रतीक चिन्ह (स्मृति चिन्ह) उनकी ओर से प्राप्त करने एवं बाद में उन्हें पहुंचाने के लिए एक्स आर्मी श्री हरप्रीत सिंह जी को मंच पर प्रदान किया गया। इस प्रकार कार्यक्रम में उपस्थित न हो पाने के बावजूद एसएसपी श्री विजय अग्रवाल जी का सम्मान पूरी गरिमा के साथ किया गया।

समारोह में साइबर क्राइम के नोडल ऑफिसर डॉ. संकल्प राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने उन्हें कुछ समय के लिए मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने उपस्थित लोगों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी से बचने के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी दी।

डॉ. संकल्प राय ने विशेष रूप से बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी या साइबर अपराध की घटना हो जाए अथवा ऐसी किसी घटना की आशंका हो, तो बिना समय गंवाए 1930 पर तत्काल संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1930 साइबर अपराध संबंधी शिकायतों के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर है, जिस पर तुरंत संपर्क करने से संबंधित कारवाई शुरू करने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी मांगने वाले लोगों तथा बैंकिंग संबंधी जानकारी साझा करने से सावधान रहने की सलाह दी। डॉ. राय का यह संक्षिप्त लेकिन अत्यंत उपयोगी संदेश कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के लिए संगीत के साथ-साथ जन-जागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश भी बन गया। आयोजकों ने कहा कि आज के समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और ऐसे में मनोरंजन के साथ-साथ आम नागरिकों को जागरूक करना भी समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इस दृष्टि से डॉ. संकल्प राय द्वारा दी गई जानकारी कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी हिस्सा रही।

समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा की सक्रिय सहभागिता

कार्यक्रम में समाजसेवी श्री कैलाश जैन बरमेचा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में उनकी भूमिका केवल विशिष्ट अतिथि तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने आयोजक एवं संस्था के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारियों से लेकर आयोजन के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं में उन्होंने आयोजकों के साथ मिलकर सहयोग किया। संगीत और सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस आयोजन में उनकी सहभागिता को संस्था परिवार ने विशेष रूप से सराहा। श्री बरमेचा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन कलाकारों को मंच मिलता है जो संगीत को अपनी जीविका नहीं बल्कि अपने जीवन के खूबसूरत हिस्से और शौक के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने सभी कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में 60 और 70 के दशक के कठिन गीतों को इतनी खूबसूरती से प्रस्तुत करना निश्चित रूप से प्रशंसनीय है।

समारोह में कुमारी संगीता मिश्रा, एक्स आर्मी श्री हरप्रीत सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया तथा संस्था के सातवें वार्षिक समारोह के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी।

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता– कोई भी कलाकार प्रोफेशनल सिंगर नहीं

पूरे कार्यक्रम की सबसे खास, प्रेरणादायक और उल्लेखनीय बात यह रही कि मंच पर प्रस्तुति देने वाले किसी भी कलाकार का मुख्य व्यवसाय गायन नहीं है। सभी कलाकार अपने-अपने अलग-अलग व्यवसाय एवं कार्यक्षेत्र से जुड़े हुए हैं और संगीत तथा गायन को अपने शौक एवं जुनून के रूप में अपनाए हुए हैं।

इसके बावजूद इन कलाकारों ने जिस आत्मविश्वास, लगन, सुर और भाव के साथ पुराने गीतों को प्रस्तुत किया, वह अपने आप में सराहनीय रहा। खास तौर पर 60 के दशक के गीतों को प्रस्तुत करना कोई मामूली बात नहीं है। उस दौर के गीतों में गायकी की कठिनाई, सुरों की ऊंचाई, भावों की गहराई और शब्दों की स्पष्टता का विशेष महत्व होता है। इन कलाकारों ने अपनी नियमित जीविका और व्यस्तताओं के बीच संगीत के लिए समय निकालकर न केवल अपनी प्रतिभा को जीवित रखा है, बल्कि मंच पर यह भी साबित किया कि संगीत के प्रति सच्चा लगाव हो तो बिना प्रोफेशनल सिंगर हुए भी कठिन से कठिन गीतों को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

स्वप्न भट्टाचार्य, सत्य पांडेय सहित सभी कलाकारों ने बांधा समां

कार्यक्रम में स्वप्न भट्टाचार्य, सत्य पांडेय, शेखर गोखले, डॉ. नितिन वैद्य, गुरजीत सिंह, दिव्याश्री, पॉली घोष, भास्वती बोस, सरोज खत्री, तुलिका घोष एवं सुलेखा शर्मा सहित सभी कलाकारों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मुकेश, लता मंगेशकर, आशा भोसले, महेंद्र कपूर, कुमार सानू और हरिहरन जैसे महान पाश्वर्गायकों के लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में केवल 90 के दशक के गीतों तक सीमित न रहकर 60 के दशक के अनेक कालजयी गीतों को भी प्रस्तुत किया गया। पुराने गीतों की कठिन गायकी के बावजूद कलाकारों ने जिस आत्मविश्वास और मधुरता के साथ उन्हें प्रस्तुत किया, उसे दर्शकों ने खूब सराहा।

कोंडागांव पुलिस को बड़ी सफलता, माओवादियों का हथियार-विस्फोटक डंप

नई दृष्टिबिंदु / कोंडागांव

जिले में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। थाना मर्दापाल क्षेत्र में आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर नक्सल सेल, डीआरजी/बस्तर फाइटर्स और बीडीएस की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन में 9 एमएम पिस्टल और 30 किलो विस्फोटक सहित भारी मात्रा में डंप सामग्री बरामद की है।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज बद्री नारायण मीणा और एसपी पंकज चंद्रा के निर्देशन, एएसपी कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी मर्दापाल नरेंद्र पुजारी और डीएसपी (ऑप्स) सिद्धार्थ बघेल के पर्यवेक्षण में यह कारवाई की गई। नक्सल सेल प्रभारी आलोक साहू और थाना प्रभारी मर्दापाल भुनेश्वर नाग के नेतृत्व में टीम 5 सितंबर को ग्राम कोरमेल, पुसपाल मोखामारी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में रवाना हुई थी।

घेराबंदी कर डी-माइनिंग और सर्चिंग के दौरान टीम को जंगल में छिपाकर रखा गया डंप मिला। मौके पर मिले 10 किलो के टिफिन आईईडी को सुरक्षा कारणों से बीडीएस ने वहीं नष्ट कर दिया।

बरामद सामग्री –

- टिफिन बम 03 नग (10 किलो)
- जिलेटिन 160 नग (20 किलो)
- 9 एमएम पिस्टल 01 नग
- वॉकी-टॉकी 06 नग मय एंटीना, चार्जर
- इलेक्ट्रिक डेटोनेटर 01, नॉन इलेक्ट्रिक 19, कमर्शियल 40 नग
- वायर बंडल, सेफ्टी फ्यूज, कार्डेक्स वायर और लोहे का पाइप

पुलिस ने बताया कि बरामद विस्फोटक से बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी थी। क्षेत्र में सर्च अभियान और तेज कर दिया गया है।

नाबालिग से जघन्य अपराध में एफआईआर में देरी, समझौते का खेल एसपी अंकिता शर्मा की बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में नाबालिग से जुड़े संवेदनशील मामले में लापरवाही पर एसपी श्रीमती अंकिता शर्मा ने बड़ी कारवाई की है। थाना गंडईटोला के टीआई निरीक्षक राजेश साहू और एएसआई मेघनाथ सिन्हा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केंद्र भेज दिया गया है। आदेश में लिखा है – संवेदनशील और गंभीर अपराध में त्वरित कारवाई नहीं कर प्रथम दृष्टया लापरवाही और संवेदनहीनता बरती गई। यह कारवाई महकमे के लिए सख्त संदेश है कि पीड़ित को न्याय दो, पंचायत मत लगाओ।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनकी नाबालिग बेटी को स्कूल के एक शिक्षक और एक अन्य व्यक्ति द्वारा करीब तीन साल से परेशान किया जा रहा था। मानसिक रूप से टूटी बालिका ने हिम्मत कर अपनी सहेली और उसकी मां को आपबीती बताई, तब मामला थाने पहुंचा।

आरोप है कि गंडईटोला थाने में तत्काल ऋक्षफ्रके बजाय आरोपी पक्ष, स्कूल प्राचार्य और स्टाफ को बुलाकर पंचायत की गई। पीड़िता ने हँ३२अस्र्र चैट सहित साक्ष्य दिए और कारवाई की मांग की, फिर भी थाना प्रभारी द्वारा समझौते पर जोर दिया गया।

सहेली की मां का दावा है कि थाने में मौजूदगी के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष का फोन आया और समझौते को कहा गया। दूसरी बार फोन आने पर पीड़िता ने खुद कहा – मुझे बार-बार परेशान क्यों किया जा रहा, मुझे सजा दिलानी है। एक और सवाल यह भी उठा कि शिकायत के बाद थाना प्रभारी बिना सूचना सहेली की मां के घर पहुंची, चाय पीकर चली गई। यह मुलाकात किस उद्देश्य से थी?

पीड़िता पक्ष का कहना है कि थाने में सुनवाई नहीं होने पर एसपी को फोन किया, नहीं उठा तो हँ३२अस्र्र पर साक्ष्य भेजे। बावजूद इसके करीब तीन दिन बाद ऋक्षफ्रदर्ज हुई। मामले की गंभीरता पर अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एमडी ठाकुर खुद पीड़ित परिवार और फिर थाने पहुंचे, टीआई को फटकार लगाई और फरार आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने अब इठर की धारा 75(1) और POCSO Act के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता आदिवासी वर्ग से होने पर रउ/रळ एक्ट की धारा जोड़ी जाएगी। एसपी की कारवाई के बाद अब सवाल है कि क्या जांच केवल आरोपियों तक सीमित रहेगी या ऋक्षफ्रमें देरी, समझौते के प्रयास और थाना प्रभारी के घर जाने की भी विभागीय जांच होगी?

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100